संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 132
पृष्ठ 8
गुरुवार
30 जनवरी 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- रात को नहीं खानी....

विचार- महू से संविधान-रक्षा.....

खेल- टेस्ट में 10000 रन पूरे ....

सीएम योगी ने अधिकारियों के साथ की हाईलेवल मीटिंग, कहा-

बैरिकेड फांदने की कोशिश में कुछ श्रद्धालु घायल हुए

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज महाकुंभ में हुई भगदड़ की घटना के बाद लखनऊ में एक उच्च स्तरीय बैठक की और कहा कि बैरिकेड्स फांदकर आने की कोशिश में कुछ श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हुए हैं। सीएम योगी ने राजधानी लखनऊ में प्रदेश के मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक, गृह विभाग के प्रमुख सचिव तथा अपर पुलिस महानिदेशक (कानून-व्यवस्था) एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। संवाददाताओं से बातचीत में आदित्यनाथ ने कहा, प्रातः काल से ही श्रद्धालुजन स्नान कर सकें, इसके लिए यहां पर हम लोगों की उच्च स्तरीय बैठक चल रही है। उन्होंने बताया, प्रयागराज महाकुंभ में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ है। रात में एक से दो बजे के बीच अखाड़ा मार्ग पर जहां से अमृत स्नान की दृष्टि से बैरिकेड्स लगाए गए थे, उन बैरिकेड्स को फांदकर आने में कुछ श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हुए हैं। उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाकर उपचार की व्यवस्था की गई है। उनमें से कुछ श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री ने सुबह से ही लगभग चार बार फोन करके हाल-चाल लिया है। इसके अलावा गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और

प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल भी लगातार संपर्क में हैं तथा सभी के कुशलक्षेम और सकुशल स्नान करने के बारे में निरंतर जानकारी ले रहे हैं। उन्होंने कहा, प्रयागराज में वर्तमान में हालात नियंत्रण में हैं लेकिन भीड़ का दबाव बहुत है। अखाड़ा परिषद से जुड़े हुए पदाधिकारियों के साथ मैंने खुद भी बातचीत की है। आचार्य, महामंडलेश्वरों और पूज्य संतों के साथ भी बातचीत हुई है और उन्होंने बड़ी ही विनम्रता के साथ कहा है कि श्रद्धालु जन पहले स्नान करेंगे और फिर जब उनका दबाव कुछ कम होगा और वे सकुशल वहां से निकल जाएंगे तब हम लोग स्नान करने के लिए संगम की तरफ जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा, आज सुबह साढ़े आठ बजे तक लगभग तीन करोड़ श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं और यह सिलसिला जारी है लेकिन संगम नोज, अखाड़ा मार्ग और नाग वासुकी मार्ग पर लगातार दबाव बना हुआ है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रशासन मुस्तैद है। मेरी प्रदेशवासियों, देशवासियों और सभी श्रद्धालुओं से भी अपील है कि वे अफवाह पर ध्यान ना दें। संयम से काम लें। यह आयोजन सभी लोगों का है। प्रशासन उनकी सेवा के लिए पूरी तत्परता से लगा हुआ है। केंद्र और राज्य सरकार पूरी मजबूती के साथ वहां पर हर प्रकार का सहयोग करने के लिए तत्पर हैं। उन्होंने स्नानार्थियों से अपील करते हुए कहा, जहां पर हैं आप, लगभग 15 से 20 किलोमीटर के दायरे में अस्थाई घाट बनाए गए हैं उसमें कहीं भी आप स्नान कर सकते हैं। आवश्यक नहीं है कि संगम नोज की तरफ ही आएं। भीड़ को देखते हुए खास तौर पर जो बुजुर्ग हैं, बच्चे हैं, सांस के रोगी है उनको लंबी दूरी तय नहीं करनी चाहिए और जो नजदीक के घाट हैं वहीं पर स्नान करेंगे। सब गंगा जी के घाट हैं और गंगा जी के उस भाग में भी वही पुण्य प्राप्त होगा। आदित्यनाथ ने कहा, देर रात्रि तक अमृत स्नान का मुहूर्त है। मौनी अमावस्या का मुहूर्त पूरी रात्रि है। आवश्यक नहीं है कि हम केवल अभी स्नान करेंगे। सभी से मेरी विनम्र अपील होगी कि अगर श्रद्धालुगण सहयोग करेंगे तो सभी को सकुशल स्नान करने में और इस महापर्व का आयोजन करने में प्रशासन को और शासन को मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा, प्रातः काल से लगभग 40 मेला स्पेशल ट्रेन प्रयागराज और अन्य स्टेशनों से श्रद्धालुओं को स्नान करने के बाद लेकर गंतव्य की ओर आगे बढ़ी हैं।

महाकुंभ हादसे की जिम्मेदारी लें योगी, इस्तीफा दें : शिवपाल

इटावा, एजेंसी। समाजवादी पार्टी (सपा) महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने बुधवार को कहा कि प्रयागराज महाकुंभ में हुये हादसे की जिम्मेदारी लेते हुये मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को इस्तीफा दे देना चाहिए। जिला सहकारी समितियों के चुनाव में अपने

मताधिकार का प्रयोग करने के बाद गृह जिले इटावा में पत्रकारों से बातचीत में उन्होने कहा कि महाकुंभ में घायल हुए श्रद्धालुओं के इलाज की समुचित व्यवस्था करने के साथ प्रत्येक मृतक के आश्रित को एक-एक करोड रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की जानी चाहिये और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई भी अमल में लाई जानी चाहिए। श्री यादव ने समाजवादी पार्टी सरकार के दौरान हुए 2013 में कुंभ मेले की सराहना करते हुए कहा कि उस समय 400-600 करोड़ रुपये में कितनी अच्छी व्यवस्था की गई थी। इसमें किसी को कोई परेशानी नहीं हुई, लेकिन इस सरकार में 11000 करोड़ रूपया खर्च किया गया और बड़े-बड़े दावे वादे किए गए, लेकिन सारे दावे वादे सरकार के फेल नजर आए और इतना बड़ा हादसा हो गया।

मौनी अमावस्या पर अमृत स्नान के लिए त्रिवेणी संगम पर एकत्रित हुए अखाड़े

प्रयागराज, एजेंसी। मौनी अमावस्या के अवसर पर अमृत स्नान के लिए अखाड़ों के सदस्य बुधवार को त्रिवेणी संगम पर छोटी संख्या में एकत्र हुए। पंचायती निरंजनी अखाड़े के दिगंबर नागा बाबा चिदानंद पुरी ने अमृत स्नान के बाद एएनआई से बात करते हुए कहा कि महाकुंभ में आज की भगदड़ जैसी स्थिति के बाद निरंजनी अखाड़े के लोग कम संख्या में पवित्र डुबकी लगाने के लिए आ रहे हैं। दिगंबर नागा बाबा ने कहा, "आज एक अप्रत्याशित घटना के कारण हमारी (अखाड़ों की) शोभा यात्रा नहीं निकाली जा सकी। अब हम कम संख्या में पवित्र स्नान के लिए आ रहे हैं।" प्रयागराज में महाकुंभ में बुधवार की सुबह भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हो गई, जिसके कारण कई लोग घायल हो गए। यह घटना उस समय हुई जब लाखों श्रद्धालु मौनी अमावस्या के पावन अवसर पर पवित्र स्नान करने के लिए गंगा और यमुना नदियों के संगम पर एकत्र हुए थे, जो दूसरे शाही स्नान का दिन भी है। एएनआई से बात करते हुए एसएसपी कुंभ मेला राजेश द्विवेदी ने कहा, कोई भगदड़ नहीं हुई। यह सिर्फ भीड़भाड़ थी, जिसके कारण कुछ श्रद्धालु घायल हो गए। स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान नहीं दिया जाना चाहिए। अमृत स्नान जल्द ही शुरू हो जाएगा। अमृत स्नान के लिए सभी तैयारियां कर ली गई हैं। कई घाट बनाए गए हैं और लोग आसानी से उन घाटों पर डुबकी लगा रहे हैं। मेरे पास हताहतों या घायलों की संख्या नहीं है। घटना के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से संपर्क किया और उन्हें केंद्र की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

केजरीवाल पर पीएम मोदी का पलटवार, बोले-

यमुना जी में ही डूबेगी आप-दा वालों की लुटिया

नई दिल्ली, एजेंसी। अरविंद केजरीवाल और आतिशी के हरियाणा पर यमुना नदी के पानी में जहर घोलने के आरोप के बाद से सियासत तेज हो गई है। इन सबके बीच पीएम नरेंद्र मोदी ने इसको लेकर अरविंद केजरीवाल पर पलटवार किया है। मोदी ने कहा कि आप-दा वाले कह रहे हैं कि हरियाणा वाले दिल्ली के पानी में जहर मिलाते हैं। ये सिर्फ हरियाणा का नहीं बल्कि भारतीयों का अपमान है, हमारे संस्कारों का अपमान, हमारे चरित्र का अपमान है। ये वो देश है, जहां पानी पिलाना धर्म माना जाता है। इस देश के लोगों पर ऐसा झूठा आरोप कि कुछ भी बोल रहे हैं। मोदी ने

साफ तौर पर कहा कि मुझे पक्का विश्वास है कि ऐसी ओछी बाते करने वालों को दिल्ली इस बार सबक सिखाएगी। इन आप-दा वालों की लुटिया यमुना जी में ही डूबेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि अपने राजनीतिक स्वार्थ में आप-दा वालों ने एक और घोर पाप किया है और ये पाप कभी भी माफ नहीं हो सकता है। दिल्ली के एक पूर्व मुख्यमंत्री ने हरियाणा के लोगों पर घिनौने आरोप लगा दिए हैं। हार के डर से आप-दा वाले बौखला गए हैं। क्या हरियाणा दिल्ली से अलग है? क्या हरियाणा वालों के बच्चे, परिवार और नाते-रिश्तेदार दिल्ली में नहीं रहते। क्या हरियाणा के लोग अपने ही बच्चों के पानी में जहर मिला सकते हैं। नरेंद्र मोदी ने कहा कि हरियाणा का भेजा हुआ यही पानी दिल्ली में रहने वाला हर कोई पीता है, पिछले 11 साल से ये प्रधानमंत्री भी पीता है, सभी न्यायमूर्ति और बाकी सभी सम्मानित लोग भी पीते हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि गलती माफ करना भारत के नागरिकों का उदार चरित्र है। लेकिन जानबूझकर, बद इरादे से पाप करने वालों को न दिल्ली कभी माफ करती है, न देश माफ करता है।

कन्हैयालाल स्मृति साहित्य सम्मान 2025 (रजि.)

हिंदी साहित्य के क्षेत्र में काव्य संग्रह, कहानी संग्रह, उपन्यास, संस्मरण, नाटक आदि विधाओं पर यह सम्मान प्रदान किया जाता है। इस सम्मान प्राप्त करने के इच्छुक साहित्यकार अपनी कृतियों को 5 प्रतियों में निम्न पते पर 1 फरवरी 2025 तक भेजें। भेजें। 2022, 2023, 2024 तक प्रकाशित रचनाओं को सम्मिलित किया जाएगा। रचनाएं पूर्णतया मौलिक होनी चाहिए।

प्रवीष्टियाँ भेजने की अंतिम तारीख 1 फरवरी 2025 है।

पता-'शहर समता' (दैनिक, साप्ताहिक) राष्ट्रीय समाचार पत्र कार्यालय 289/238ए, अनंत भवन, कर्नलगंज थाने के पीछे प्रयागराज 211002

संगम पर भगदड़ मचने का पर स्वामी यतींद्रानंद ने जताया दुख, प्रशासन घटना के लिए जिम्मेदार

प्रयागराज। जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर स्वामी यतींद्रानंद गिरि ने संगम नोज पर हुई घटना पर दुख व्यक्त किया है। कहा कि मौनी अमावस्या को संगम नोज पर हुई भगदड़ की सूचना अत्यंत पीड़ादायक है। इसमें कई लोगों की मृत्यु हुई है और बड़ी संख्या में लोग घायल हो गए हैं। मेला प्रशासन की हठधर्मिता के चलते यह घटना घटी है। पहली बार किसी कुंभ में ऐसी अव्यवस्था देखी है। साधु–संतों को बुनियादी सुविधाएं तक नहीं दी गई हैं। प्रशासन केवल वीआईपी जनों की आवभगत में लगा है। कुंभ में ट्रैफिक व्यवस्था तो पहले से ही ध्वस्त थी। जगह–जगह बैरिकेडिंग कर रास्ता अवरुद्ध कर दिया गया। पांटून पुलों से पैदल तक नहीं जाने दिया जा रहा है। पुल और सड़क सिर्फ वीआईपी के लिए आरक्षित कर दिए गए हैं। प्रशासन ने पूरे मेले को एक इवेंट बनाकर रख दिया है। आगे कहा कि मेला प्रशासन के अधिकारी कुंभ मेले की आध्यात्मिक और धार्मिक भावनाओं को ना जानते हैं और ना ही मानते हैं। मेले को भव्य और दिव्य कहा गया लेकिन वीआईपी और व्यावसायिक बनाकर भव्य बनाने का प्रयास तो हुआ किंतु मेले की आत्मा आध्यात्मिक और धार्मिकता जो की दिव्यता थी उसको दरकिनार कर दिया गया। शासन और प्रशासन ने पूरा मेला एक इवेंट बनाकर रख दिया कुंभ कोई इवेंट या व्यावसायिक मेला नहीं है। कुंभ एक धार्मिक और आध्यात्मिक मेला है। यहां देवता आते हैं। साधु संत और कल्पवासी साधना करते हैं। शासन और प्रशासन दोनों के द्वारा देवताओं का मान सम्मान नहीं किया गया। उनको आदर नहीं दिया गया। साधु संत तथा कल्पवासियों का आदर और उनकी सुविधाओं का ध्यान नहीं रखा गया जिसके चलते मकर संक्रांति का स्नान भी दुर्व्यवस्थाओं से भरा रहा। इस मेले का मुख्य स्नान मौनी अमावस्या का देवताओं की नाराजगी को प्रकट करते हुए स्वीकार नहीं किया है। मेले में भीड़ यह दुर्व्यवस्था का कारण नहीं है, क्योंकि उत्तर प्रदेश सरकार ने पूरे विश्व में निमंत्रण दिया 144 साल के बाद कुंभ आ रहा है। क्या महाकुंभ का इतिहास क्या केवल 144 वर्ष का है। प्रत्येक 12 वर्ष में लगने वाला कुंभ अपने आप में 144 वर्ष बाद आता है। यह महाकुंभ कैसे हो गया। सरकार खुद कहती थी 40 से 45 करोड लोग आएंगे। सरकार का जो अनुमान था लोग उसी अनुमान के अंतर्गत ही आए हैं उससे अधिक नहीं तो फिर शासन और प्रशासन ने उसी अनुमान के अनुसार व्यवस्था क्यों नहीं किया। यह प्रश्न उठता है समूचे मेले में चाहे मेला अधिकारी हो अपार मेला अधिकारी हो एसएसपी मेला, डीआईजी मेला किसी भी अधिकारी का मिलना तो दूर फोन तक उठना भी संभव नहीं है। पूरे मेले में केवल चार पांच राजनीतिक व आर्थिक प्रभावशाली संतों के अलावा मेला प्रशासन ने किसी को भी महत्व नहीं दिया। कुंभ मेले का दुखद पहलू यह है की साधु संत अपने परंपरागत स्नान को नहीं कर सके तथा अखाड़े के देवता भी स्नान से वंचित रहे। शायद मेला प्रशासन के व्यवहार से देवता संतुष्ट नहीं थे, इसलिए देवताओं ने स्नान नहीं किया। अब देखना है मेले की दुर्व्यवस्था आज की घटना की नैतिक जिम्मेदारी कौन लेता है। उत्तर प्रदेश सरकार कुंभ में पधारे साधु संत तपस्वी और कल्पवासियों तथा श्रद्धालु भक्तजनों की भावनाओं और पीड़ा को कितना समझ पाती है और ऐसे संवेदनहीन मेला प्रशासनिक अधिकारियों के ऊपर क्या कार्रवाई करती है। हम अखाड़ा परिषद के सभी पदाधिकारी को साधुवाद धन्यवाद देते हैं ।

अखाड़ों के बदलते स्वरूप पर अध्ययन हो रहा अध्यन, इन विवि के विशेषज्ञ भी टीम में शामिल

प्रयागराज। गोविंद वल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान 'अखाड़ों के बदलते स्वरूप' पर अध्ययन कर रहा है। इसके लिए परियोजना शहरी विकास विभाग उत्तर प्रदेश ने ग्रांट प्रदान किया है। पंत संस्थान के निदेशक प्रो.बद्री नारायण और एसोसिएट प्रोफेसर डॉ.अर्चना सिंह प्रोजेक्ट की समन्वयक हैं। खास बात यह है कि इस अध्ययन में चार विश्वविद्यालयों के विशेषज्ञ शामिल हैं। एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अर्चना सिंह ने बताया कि अध्ययन से यह जानने का प्रयास किया जाएगा कि महाकुंभ मेले में अखाड़ों के प्रति विदेशियों का आकर्षण क्यों बढ़ा है। यह भी देखा जाएगा कि अखाड़ों ने सामाजिक एकीकरण, लैंगिक समानता, विशेषकर महिलाओं की बढ़ती भागीदारी जैसी समकालीन जरूरतों को कैसे अपनाया है। उन्होंने बताया कि महाकुंभ के अवसर पर आदि गुरु शंकराचार्य ने अखाड़ों के रूप में साधु–संन्यासियों को एक संगठनात्मक ढांचा दिया। इस अध्ययन का उद्देश्य यह है कि कैसे अखाड़े पारंपरिक आध्यात्मिक प्रथाओं को संरक्षित करते हुए और आधुनिकता से जुड़ते हुए विकसित हो रहे हैं। अलग–अलग अखाड़ों का दस्तावेजीकरण करने के लिए जेएनयू, बीएचयू, वर्धा और इलाहाबाद विश्वविद्यालय के 10 शिक्षाविदों की टीम अध्ययन कर रही है।

मृतक आश्रितों को 50 लाख और घायलों को 10 लाख का मुआवजा दें: उज्जवल

प्रयागराज(एजेंसी)। इलाहाबाद के सांसद उज्जवल रमण सिंह ने महाकुम्भ में हुए हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया। मृतकों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने मृतक के परिवार को 50 लाख और घायल को समुचित इलाज के साथ 10 लाख रुपये मुआवजा देने की मांग सरकार से की। कहा, यह हादसा प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों की चूक से हुआ है। महाकुम्भ के दौरान मेला क्षेत्र में देश–विदेश के वीवीआईपी का दौरा रहा, जिसमें पूरा प्रशासनिक अमला उनके स्वागत में ही व्यस्त रहा। इसके कारण भीड़ कंट्रोल की सटीक रणनीति नहीं बनी और ये हादसा हुआ। हाईकोर्ट के जज से इस हादसे की न्यायिक जांच कराने की मांग की है। ताकि भविष्य में ऐसी घटना से बचा जा सके।

500 मंदिर बनवाने वाले विधायक बोले– श्रद्धालुओं का सागर देख हो गया धन्य, अद्भुत है प्रबंधन

प्रयागराज। तेलंगाना में अपने विधानसभा क्षेत्र में 500 मंदिर बनवाकर सुर्खियों में आए विधायक केपी वेंकट रमना रेड्डी पावन त्रिवेणी के तट पर श्रद्धालुओं का सैलाब देखकर आह्लादित हैं। महाकुंभ में वह पहली बार आए हैं। कैसा लगा के जवाब में कहते हैं, इस पावन धरा पर आकर खुद को धन्य मान रहा हूं। यहां अपार जनसमूह की थाह लेना कठिन है। मालूम ही नहीं पड़ता, कहां से कहां तक भीड़ आ–जा रही है। यह प्रबंधन अद्भुत है। रमना रेड्डी इसके पहले 2019 में सपरिवार संगम आए थे। वह आम दिन थे। यह खास। मंगलवार को वह अपार भीड़ देखकर रास्ते से ही लौट आए। अब रात में जाएंगे। कामारेड्डी क्षेत्र से विधायक रमना रेड्डी की सियासी कामयाबी की यात्रा भी कुछ दिलचस्प नहीं। उन्होंने 2023 के विधानसभा चुनाव में तत्कालीन मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव को 7000 मतों से हराया था।तब, यहीं से मौजूदा सीएम रेवंत रेड्डी भी मैदान में थे, जो तीसरे नंबर पर थे। रमना रेड्डी के पिता केपी राजा रेड्डी भी कामारेड्डी पंचायत समिति के 25 बरस तक अध्यक्ष रहे। फिर, रमना भी 2006 से 2011 तक जिला परिषद समिति के अध्यक्ष चुने गए। 2018 में भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़े, लेकिन जमानत तक नहीं बचा पाए। मगर, उन्होंने 2023 के चुनाव में दिग्गजों को परास्त कर डाला। रमना बताते हैं कि यह जीत मंदिरों और शादीखाना (बरातघर) बनवाने से ही मिली। दरअसल, पहला चुनाव हारने के बाद जनसंपर्क जारी रखा। इस दौरान सैकड़ों जगहों पर मंदिरों को आधा–अधूरा पाया। मालूम चला कि बनाने के लिए इनके पास पैसा नहीं है। इसका जिम्मा मैंने ले लिया। पांच साल में 500 से ज्यादा आधे–अधूरे और नए मंदिरों का निर्माण कराया। 120 बरातघर भी बनवाए। मंदिरों के निर्माण में 80 करोड़ और बरातघरों में 40 करोड़ खर्च हुए। इतना पैसा जुटाने के लिए उन्होंने हैदराबाद और कामारेड्डी की तीन संपत्तियां बेच दीं। यह सिलसिला रुका नहीं है। वह बताते हैं कि 100 मंदिरों का निर्माण और हो चुका है। इनकी रंगाई–पोताई चल रही है। अब तो स्थिति यह हो चुकी है कि कामारेड्डी के 20 आदिवासी गांवों को छोड़ दें तो शेष 70 गांवों में कई–कई मंदिर और बरातघर बन चुके हैं। बकौल रमना रेड्डी, हमने किसी भी समाज के देवी–देवताओं को नहीं छोड़ा, सबके मंदिर बनवाए। ताड़ी तोड़ने वाले गौड़ समाज की कुलदेवी रेणुका माता का मंदिर बनवाया तो मुदिराज के लिए वनदुर्गा। मछुआरों के लिए गंगा माता का मंदिर बनवाया तो यादवों के लिए मल्लिकार्जुन का। इसके साथ काली माता और शिव मंदिर भी बनवाए। शादी के लिए बरातघर बनवाए, जो गरीबों को मुफ्त मिल रहे हैं। इनका संचालन समाज के ही लोग करते हैं। हैदराबाद से ही आए प्रवीन कुमार कोरपोले दूसरी बार महाकुंभ में आए हैं। वह बताते हैं कि 2013 में 20 लोगों के समूह में आए थे।

जिस घाट के करीब हैं, वहीं स्नान करें, संगम नोज पर भगदड़ के बाद अखाड़ा परिषद की लोगों से अपील

प्रयागराज। प्रयागराज में महाकुंभ के दूसरे अमृत स्नान पर्व मौनी अमावस्या पर संगम में भगदड़ मच गई। इस दौरान कई लोगों के घायल होने की खबर है। संगम पर भगदड़ के बाद अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रवींद्र पुरी ने लोगों से अपील की है। उन्होंने कहा कि जो घटना हुई उससे हम बहुत दुखी हैं। हमारे साथ हजारों श्रद्धालु थे। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि आज के बजाय वसंत पंचमी पर स्नान के लिए आएं। संगम घाट पहुंचने के बजाय उन्हें जहां भी पवित्र गंगा दिखे, वहीं डुबकी लगा लेनी चाहिए। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रविन्द्र पुरी ने बताया कि इस वक्त 12 करोड़ से अधिक श्रद्धालु प्रयागराज में हैं। इतनी बड़ी तादाद में भीड़ को कंट्रोल करना मुश्किल होता है। हमारे साथ लाखों की संख्या में संतों का हुजूम है। हमारे लिए श्रद्धालुओं की सुरक्षा सबसे ज्यादा जरूरी है। उन्होंने कहा कि जब भीड़ कम हो जाएगी, तो हम पवित्र स्नान के लिए आगे बढ़ेंगे। महाकुंभ में हुई भगदड़ के बाद सीएम योगी ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वह संगम नोज जाने के बजाय निकट के घाट पर स्नान कर लें। सीएम योगी ने कहा है कि स्नान के लिए कई घाट बनाए गए हैं। लोग वहां स्नान कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस मामले में प्रशासन के नियमों का ध्यान रखें और किसी प्रकार की अफवाह में न आएं। धर्म गुरुओं ने भी श्रद्धालुओं से अपील की है। स्वामी रामभद्राचार्य ने महाकुम्भ में आने वाले श्रद्धालुओं से अपील की कि वे सभी संगम में स्नान के बजाय निकटतम घाट पर स्नान करें। लोग अपने शिविर से बाहर न निकलें। अपनी और एक दूसरे की सुरक्षा करें। उन्होंने वैष्णव सम्प्रदाय के प्रमुख संत की हैसियत से सभी अखाड़ों और श्रद्धालुओं से अफवाहों से बचने का आह्वान किया। वहीं, महाकुंभ नगर प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अफवाहों पर ध्यान न देने और संयम बरतने की अपील की है। बताया जा रहा है कि प्रयागराज के संगम तट पर अमृत स्नान से पहले देर रात करीब 2 बजे भगदड़ मच गई।

महाकुंभ में पहली बार एक मंच पर आए तीन पीठों के शंकराचार्य, जारी किया संयुक्तधर्मादेश

प्रयागराज। महाकुंभ में पहली बार देश के तीन पीठों के शंकराचार्य एक ही मंच पर मिले और सनातन के लिए संयुक्त धर्मादेश जारी किया। धर्मादेश में देश की एकता, अखंडता, सामाजिक समरसता और सनातन संस्कृति की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण निर्णय किए गए। वहीं, शंकराचार्यों ने आह्वान किया कि महाकुंभ पर्व पर प्रत्येक सनातनी को प्रयागराज आना चाहिए। उन्होंने महाकुंभ के भव्य आयोजन के लिए योगी सरकार और प्रशासन को आशीर्वाद भी दिया। महाकुंभ में देश के तीन पीठों के शंकराचार्यों ने पहली बार मंच साझा किया है। महाकुंभ में चल रही परम धर्म संसद के शिविर में तीन पीठों के शंकराचार्यों ने समवेत रूप से एक संयुक्त धर्मादेश भी जारी किया है। श्रृंगेरी शारदा पीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी विधु शेखर भारती जी, द्वारका शारदा पीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती जी और ज्योतिष पीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी महाराज ने परम धर्मसंसद में हिस्सा लिया और सनातन संस्कृति की रक्षा और उन्नयन के लिए 27 धर्मादेश भी जारी किए। इस अवसर पर शंकराचार्य स्वामी सदानंद ने संस्कृत भाषा के महत्व पर जोर दिया। श्रृंगेरी के शंकराचार्य विदुशेखर भारती ने गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करने और गौ माता की विशेष रूप से रक्षा करने की बात कही। ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने संस्कृत भाषा के महत्व पर जोर देते हुए सरकार को संस्कृत भाषा के लिए बजट देने पर जोर दिया। 27 बिंदुओं वाले धर्मादेश में देश की एकता, अखंडता और समरसता के साथ सनातन धर्म की संस्कृति की रक्षा, विस्तार और संस्कृत भाषा के विस्तार पर जोर दिया गया। धर्मादेश में नदियों और परिवार रूपी संस्था को बचाने के लिए सबको आगे आने का आदेश दिया गया। धार्मिक शिक्षा को हिंदुओं का मौलिक अधिकार बनाने पर भी इसमें जोर दिया गया। यह भी कहा गया कि अपने धार्मिक प्रतीकों को पहचानें और उसकी रक्षा अवश्य करें। हर विद्यालय में देव मंदिर हो। धर्मादेश के मूल में गौ हत्या पर रोक है और उसे राष्ट्र माता घोषित करने का आदेश दिया गया। पहले ही धर्मादेश में कहा गया कि गाय को माता मानने वाले देश भारत की धरती से गौहत्या का कलंक मिटना चाहिए। विश्वमाता गौमाता को राष्ट्रमाता का सम्मान मिलना चाहिए और उनकी हत्या को दण्डनीय अपराध घोषित करना चाहिए। गौहत्या से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष किसी भी रूप से जो जुड़ा हो वह हिंदू नहीं हो सकता। उसे हिंदू धर्म से बहिष्कृत किया जाए।

सबसे बड़े अमृत स्नान के लिए अखाड़ों की सजीं शाही सवारियां, 21 श्रृंगार करके निकलेंगे नागा

प्रयागराज। चुस्त सुरक्षा इंतजामों के बीच मौनी अमावस्या पर सबसे बड़ा अमृत स्नान संगम तट पर बुधवार की सुबह 6रू15 बजे आरंभ होगा। इसके लिए शाही सवारियां सज गई हैं। आधी रात के बाद तक जूना अखाड़े के माईबाड़ा से लेकर नागा संन्यासियों के धूने तक संन्यासिनियों और नागाओं का भस्म,चंदन शृंगार होता रहा। देर रात शाही सवारियां भी सजा दी गईं। रथों, बग्घियों, हाथी, ऊंट, घोड़ों की सवारियों के साथ अखाड़ों के पीठाधीश्वर, महंत, महामंडलेश्वर सज धज कर अमृत स्नान के लिए निकलेंगे। जूना अखाड़े में चांदी के हौदे के साथ रथों और बग्घियों को फूलों से सजाया जाता रहा। हाथियों के सूंड, मस्तक और हौदे भी रंग–रोगन किए जाते रहे। जूना अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर अवधेशानंद गिरि का मत्स्याकार विशाल रथ देर रात तैयार कर लिया गया। वह अपने शिष्य, शिष्याओं के साथ इसी रथ पर सवार होकर सुबह अमृत स्नान के लिए निकलेंगे। इसी तरह श्रीरामानंदी पंचायती निर्मोही अनि अखाड़े के महामंडलेश्वर बिहारी दास और पान वाले बाबा का अश्व रथ भी सजा दिया गया। वह अपने शिष्यों के साथ अश्व रथ पर सवार होकर संगम जाएंगे। इसी तरह अमेरिका की अरबपति महिला उद्यमी लॉरेन जॉब्स को महाकुंभ में तीन का कल्पवास और साधना कराकर सुर्खियां बटोरने वाले निरंजनी अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर कैलाशानंद गिरि भी अपने शाही रथ पर सवार होकर निकलेंगे। इस बार निरंजनी अखाड़े के रथ पर एक बार फिर मॉडल हर्षा रिछारिया को शाही सवारी कराने का अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रवींद्र पुरी महाराज ने एलान किया है। हर्षा फिर शाही सवारी करेगी और वह रथ पर सवार होकर अमृत स्नान के लिए संगम जाएंगी। इससे पहले निरंजनी अखाड़े के आचार्य रथ पर हर्षा की शाही सवारी को लेकर विवाद हो गया था।

एक ही दिन में प्रयागराज से दिल्ली के लिए 10, मुंबई के उड़ेंगे सात विमान

प्रयागराज। महाकुंभ के मौके पर प्रयागराज में पुण्य की डुबकी लगाने के लिए इस बार रिकॉर्ड संख्या में विमानों से लोगों का आवागमन हुआ है। महाकुंभ शुरू होने के बाद महज 15 दिन में 69,562 यात्रियों की विमानों से आवाजाही हो चुकी है। इस अवधि में 500 से ज्यादा विमानों का आवागमन हुआ। अब मौनी अमावस्या पर भी यहां एक ही दिन में छह हजार से ज्यादा यात्रियों की आवाजाही का अनुमान है। पर्व के बाद वापसी करने वाले यात्रियों की सहूलियत के लिए प्रयागराज से पहली बार एक ही दिन में दिल्ली के लिए 10 तो मुंबई के लिए सात सीधी उड़ान की तैयारी की गई है। प्रयागराज एयरपोर्ट के निर्माण के बाद यह पहला मौका है जब एक ही दिन में दिल्ली के लिए यहां से दस और मुंबई के लिए सात विमान संचालित होंगे। यहां वर्तमान में एक ही दिन में दिल्ली के लिए छह तो मुंबई के लिए तीन विमान ही संचालित हुए हैं। इस बीच एयरपोर्ट पर विमानों की 24 घंटे आवाजाही शुरू होने की वजह से यहां औसतन 30 से 35 विमानों की आवागमन हो रहा है। 25 जनवरी को ही यहां एक दिन में पहली बार छह हजार से ज्यादा यात्रियों की आवाजाही का रिकॉर्ड बना। यहां 6025 यात्रियों की आवाजाही हुई। इस दौरान यहां 42 विमानों का आवागमन हुआ। एयरपोर्ट प्रशासन का कहना है कि मौनी अमावस्या के बाद प्रयागराज से संचालित विमानों की संख्या में और इजाफा होगा, क्योंकि सैकड़ों लोगों ने फरवरी में प्रयागराज की बुकिंग करवा रखी है। वहीं, विमानन कंपनी एयर इंडिया प्रयागराज से मुंबई की उड़ान 29 जनवरी से शुरू करने जा रही है। इसके बाद एक फरवरी से स्पाइस जेट ने प्रयागराज से चेन्नई और हैदराबाद के लिए भी सीधी उड़ान का शेड्यूल जारी किया है।

मौनी अमावस्या पर महाकुंभ आने वाली गाड़ियों को यहां मिलेगी पार्किंग की जगह

प्रयागराज। मौनी अमावस्या के मौके पर अमृत स्नान के लिए कल यानी बुधवार को 8 से 9 करोड़ श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है।

त्रिवेणी संगम में इस मौके पर विशेष अमृत स्नान के लिए भक्तों का सैलाब पहले से ही जुट रहा है। हालांकि प्रशासन ने दावा किया है कि उनकी तैयारी भी पूरी है। करोड़ों की भीड़ को नियंत्रण करने के लिए सरकार और मेला प्रशासन से 26 जनवरी के बाद से ही यातायात को लेकर नए नियम जारी कर रखे हैं। नए नियमों के अनुसार 26 जनवरी से ही कुंभ मेला क्षेत्र को नो व्हीकल जोन घोषित कर रखा है। इतना ही नहीं विशेष पास भी 3 फरवरी तक निरस्त कर दिए गए हैं। प्रशासन ने प्रयागराज आने वाले वाहनों के लिए भी विशेष रुट प्लान जारी किए गए हैं साथ ही पार्किंग की भी व्यवस्था की गई है।

सुबह 11 बजे तीनों शंकराचार्य एक साथ करेंगे स्नान, प्रशासन ने जारी की सूचना

प्रयागराज। संगम पर भगदड़ मचने के बाद पैदा हुई अव्यवस्था को संभालने के बाद प्रशासन ने तीनों शंकराच्यों को एक साथ स्नान करने की तैयारी की है। तीनों शंकराचार्य द्वारका पीठ के स्वामी सदानंद

सरस्वती, ज्योतिषपीठ के स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और श्रृंगेरी मठ के विधु शेखर भारती एक साथ सेक्टर 22 से संगम के लिए सुबह 11 बजे रवाना होंगे। मौनी अमावस्या पर भारी भीड़ और भगदड़ की घटना के चलते सभी अखाड़ों ने अमृत स्नान न करने का एलान किया था। यह एलान अखाड़ा परिषद अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्र गिरी ने निरंजन छावनी से किया। हालांकि, अब खबर है कि हालात सामान्य होते ही सभी अखाड़े अमृत स्नान कर सकते हैं। इसके अलावा अखाड़ा परिषद अध्यक्ष ने कहा जिस तरह से श्रद्धालुओं की भीड़ है और भगदड़ की घटना सामने आई है उससे अखाड़े ने स्नान न करने का फैसला लिया है। अखाड़े के वहां जाने से स्थिति और भी बिगड़ सकती थी। इससे पहले अखाड़ा परिषद अध्यक्ष के एलान के बाद महानिर्वाणी अखाड़ा अपना जुलूस बीच रास्ते से ही वापस लेकर छावनी लौट आया वहीं जूना अखाड़े ने भी अपना जुलूस छावनी में वापस बुला लिया। हादसे की सूचना मिलने के बाद अंजलि अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर कैलाशनंद गिरि भी साथ छावनी पहुंचे। महाकुंभ में भगदड़ में हुई मौतों पर पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी के महामंडलेश्वर प्रेमानंद पुरी रो पड़े। उन्होंने कहा कि हमने पहले ही कहा था कि कुंभ की सुरक्षा को आर्मी के हवाले किया जाए, लेकिन किसी ने हमारी नहीं सुनी। प्रशासन पूरी तरह फेल साबित हुआ है। प्रशासन सिर्फ वीआईपी की जी हुजूरी में लगा रहा। इसके अलावा उन्हें कुंभ से कोई मतलब नहीं है। किसी का बेटा चला गया तो किसी का बाप चला गया। पिछले स्नान के बाद ही हमने प्रशासन को सचेत किया था।

ठीक तरह से नहीं हो पाया शाही स्नान

हरिद्वार। प्रयागराज महाकुंभ में मची भगदड़ के चलते शाही स्नान भी ठीक तरह से नहीं हो पाया। हरिद्वार से प्रयागराज महाकुंभ में गए गंगा सभा के महामंत्री तन्मय वशिष्ठ ने बताया कि महाकुंभ में श्रद्धालुओं में हुई भगदड़ के चलते शाही स्नान भी ठीक तरह से नहीं हो पाया। भगदड़ के वीडियो की सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। सरकार और अखाड़े के महामंडलेश्वर कुंभ की व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने में लगे हैं। सरकार ने महाकुंभ के अंदर आने वाली बसों की एंट्री बंद कर दी है। श्रद्धालुओं के महाकुंभ में आने की वजह श्रद्धालुओं का बाहर जाना अधिक हो रहा है। बावजूद इसके महाकुंभ में करोड़ श्रद्धालुओं की भीड़ जमा है। दोपहर के बाद स्थिति धीरे–धीरे सामान्य हो रही है।

कुंभ में गए मुसाबनी के रहने वाले शिवराज गुप्ता का कुंभ मेला क्षेत्र में हुई भगदड़ में हुआ निधन

मुसाबनी। प्रयागराज कुंभ में पवित्र स्नान के लिए गए मुसाबनी सुंदर नगर के रहने वाले शिवराज गुप्ता का मेला क्षेत्र में मंगलवार की रात लगभग 1:30 बजे भगदड़ में दबने के बाद सांस रुकने से आकस्मिक निधन हो गया है। शिवराज गुप्ता जो पूर्व में कॉपरेटिव बैंक में कार्य करते थे, घर पर उनकी पत्नी पूनम राज का रो–रो कर बुरा हाल है, उनका बेटा शिवम राज बेंगलुरु में कार्य करता है, वहीं बेटी स्वर्णराज दिल्ली में कार्यरत है। काफी मुश्किल से मृतक शिवराज गुप्ता की पत्नी पूनम राज ने बताया कि मुझे सुबह टीवी में

समाचार देखकर कुम्भ मेला में भगदड़ होने की जानकारी मिली। जिसके बाद मैंने अपने पति को काफी फोन लगाया वह उनके साथ गए लोगों को भी फोन लगाया परंतु किसी से भी संपर्क नहीं हो पाया, तो मैं घबराकर मेरे पति के साथ गए मुसाबनी नंबर एक शास्त्री नगर के रहने वाले राज सिन्हा की पत्नी सीमा सिन्हा को फोन किया तब उन्होंने बताया कि यह घटना घटित हुई है। यह सुनकर वह काफी आशंकित हो गई थी, शिवराज गुप्ता की पत्नी पूनम राज ने बताया कि मेरी अपने पति से आखरी बार मंगलवार की रात लगभग 11रू00 बात हुई थी, तब उन्होंने बताया था कि यहां भीड़ काफी अधिक है, ट्रैफिक जाम होने के कारण हम लोगों ने अपनी गाड़ी छोड़ दी है, 21 किलोमीटर पैदल चलकर गंगा के तट तक पहुंचना है, अब मात्र 1 किलोमीटर बचा है, हम जल्द ही वहां पहुंच जाएंगे और प्रातः स्नान करेंगे। इस घटना के बारे में पूनम सिन्हा से संपर्क करने पर उन्होंने बताया कि देर रात वहां अचानक भगदड़ हो गई जिसमें सभी का एक दूसरे से हाथ छूट गया और शिवराज गुप्ता जमीन पर गिर गए, दबने और सांस रुकने के कारण उनकी मृत्यु हो गई। उनकी पत्नी ने कहा कि मंगलवार की रात 11रू00 बजे बात करने के बाद उनसे संपर्क समाप्त हो गया। शिवराज गुप्ता की उम्र लगभग 58 वर्ष थी।

पूसी रेल का प्रबंधन विकास कार्यक्रम सम्पन्न

बंगाईगांव। दक्षता प्रकोष्ठ मालीगांव द्वारा न्यू बंगाईगांव के पर्यवेक्षक प्रशिक्षण केंद में तीन दिवसीय प्रबंधन विकास कार्यक्रम सम्पन्न हो गया। यह कार्यक्रम 27 जनवरी से 29 जनवरी 2025 तक चली। इस कार्यक्रम में पूसी रेल के सीनियर सुपरवाइजर (वरीय पर्यवेक्षक)ने हिस्सा लिया। उनके लिए यह एक महत्वपूर्ण प्रशिक्षण है। उनमें लीडरशिप का गुण विकसित करने और सही ढंग से प्रबन्धन कर सके, इसके गुर सिखाए गए। ये वरीय पर्यवेक्षक रेल की रीढ़ होते हैं। वरीय पर्यवेक्षक के लिए यह एक महत्वपूर्ण प्रशिक्षण है। प्रथम दिन उद्घाटन सत्र से प्रशिक्षण शुरू हुई। न्यू बंगाईगांव के समाडी कारखाना के मुख्य कारखाना प्रबंधक श्री किशन सिंह के कर कमलों द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत हुई। अपने उद्घाटन भाषण के बाद उन्होंने एक महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा की। साथ ही एक प्रतियोगिता कर प्रतिभागियों को बतलाया कि किस तरह टीम भावना से हम अपने उद्देश्य को प्राप्त कर सकते हैं। इससे पहले दक्षता अधिकारी श्री विवेकानंद दास जी ने मुख्य कारखाना प्रबंधक श्री किशन सिंह और प्राचार्य श्री मिलन कुमार नर्जरी को गमछा पहना कर स्वागत किया। उन्होंने अपने संबोधन में सबका स्वागत करते हुए कार्यक्रम के उद्देश्य पर चर्चा की। कार्यक्रम के संचालक और कार्य अध्ययन निरीक्षक श्री विजय कुमार यादव ने विस्तृत जानकारी देते हुए प्रतिभागियों को कार्यक्रम के बारे में अवगत कराया। इस तरह तीन दिनों तक यह प्रशिक्षण कार्यक्रम चली, जिसमें रेलवे के अलग अलग विभाग के कई अधिकारी आकर अलग अलग विषयों पर क्लास लिया। इस कार्यक्रम में कारखाना के सहायक कार्मिक अधिकारी श्री अभिमन्यु प्रसाद और वरिष्ठ व्याख्याता श्री विनय कुमार की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम के दूसरे दिन भी अलग–अलग विषयों पर अधिकारियों ने क्लास ली और रात में एक कवि सम्मेलन आयोजित की गई जिसका नाम था एक शाम कविता के नाम । जिसमें रेल के कवियों ने हिस्सा लिया। जिसकी अध्यक्षता न्यू बंगाईगांव कारखाना के मुख्य प्रबंधक श्री किशन सिंह जी ने किया। उन्होंने कवियों की भूरि भूरि प्रशंसा की । कार्यक्रम के अंतिम दिन कुछ क्लास के बाद प्रतिभागियों के बीच प्रमाणपत्र वितरित की गई। साथ ही दक्षता विभाग मालीगांव के दक्षता अधिकारी श्री विवेकानंद दास जी को विदाई दी गई। वे उस महीना के अंतिम दिन सेवानिवृत्त हो रहे हैं। उनकी अगुवाई में अबतक इस तरह के कई कार्यक्रम आयोजित की जा चुकी है। वरिष्ठ व्याख्याता श्री विनय कुमार एक सुंदर कविता के माध्यम से और विजय कुमार ने एक गीत से उन्हें भावपूर्ण विदाई दी।

'संस्कार भारती के मंच पर 'राजा भर्तृहरि' नौटंकी मंचित'

प्रयागराज।संस्कार भारती महेश्वर परिसर महाकुंभ के मंच पर कौशांबी के संतोष कुमार के दल द्वारा नौटंकी श्राजा भर्तृहरिश की प्रभावशाली प्रस्तुति की गयी।भाग लेने वाले कलाकार संतोष चौधरी गुरू गोरखनाथ तथा विक्रमजीत,घनश्याम राजा भर्तृहरि,रामप्रसाद रानी पिंगला,राकेश कुमार अश्वपाल,भारत लाल नगर सेठ व दरबारी,रतन कुमार वैश्या–चन्द्रा,राजेन्द्र प्रसाद त्रिपाठी राज्यमंत्री,राजकुमार ने दासी की भूमिकाएं कीं।नक्कारा पर संदीप कुमार,आर्गन भैया लाल, भजन लाल ढोलक तथा झिंगईलाल ने मंजीरे पर संगत की।इससे पूर्व कुमारी कुमकुम ने श्हम गोदैबे गोदनाश तथा अन्य अवधी लोकगीतों से श्रोताओं का भरपूर मनोरंजन किया। कार्यक्रम संयोजक सुशील कुमार राय ने अंग–वस्त्र प्रदान कर कलाकारों और वाराणसी से आये ललितकला के कलाकारों को क्रमशः सजल कुमार,सुजीत कुमार,विजयनंदन,राहुल कुमार,नेहारिका प्रधान,आंजल चौधारी,संजना पटेल,नीतू पटेल,कौशिकी त्रिपाठी को सम्मानित किया। संस्कार भारती के मीडिया प्रभारी रवीन्द्र कुशवाहा ने बताया कि कौशिकी त्रिपाठी ने भावनृत्य के साथ मंच रखे कैनवास पर शिवलिंग के सुन्दर चित्र का सृजन किया। चित्रकला कलाकारों ने शिविर श्महेश्वर परिसरश का भूअलंकरण एवं जूट के माध्यम से आकर्षक सेल्फी–पॉइंट का भी सृजन किया।डा0योगेन्द्र कुमार मिश्र षविश्वबन्धुष ने कार्यक्रम की सारगर्भित और आकर्षक उद्घोषणा की।

महाकुंभ हादसे पर गृहमंत्री अमित शाह ने योगी से की बात, दिया हर संभव मदद का आश्वासन

लखनऊ, संवाददाता। प्रयागराज महाकुंभ में बड़े हादसे को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से महाकुंभ मेले में मौनी अमावस्या समारोह के दौरान संगम पर क्या हुआ, कैसे हुआ इस बारे में जानकारी ली है। साथ ही सीएम योगी को केंद्र की ओर से पूर्ण सहायता का आश्वासन भी दिया। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी प्रयागराज में स्थिति की समीक्षा करने के लिए सीएम योगी से बात की और तत्काल सहायता उपायों का आह्वान किया। मिली जानकारी के मुताबिक प्रयागराज महाकुंभ में बड़ा हादसा हो गया है। इस घटना में अभी तक कई लोगों के घायल होने की सूचना है। बड़ी संख्या में लोग घायल हुए हैं। यह हादसा अत्यधिक भीड़ के चलते हुआ। महाकुंभ के अस्पताल में घायलों को लेकर आने वाली एंबुलेंस का तांता लगा हुआ है। राहत और बचाव कार्य में पूरा प्रशासन जुटा हुआ है। 50 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हैं। सभी को महाकुंभ नगर के केंद्रीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बता दें कि प्रयागराज महाकुंभ में भगदड़ मचने के बाद अखाड़ा परिषद ने फैसला किया है कि मौनी अमावस्या के दिन अमृत स्नान नहीं होगा।

मौनी अमावस्या पर मां चंद्रिका देवी मंदिर में उमड़े भक्त

लखनऊ, संवाददाता। बख्शी का तालाब क्षेत्र के कठवारा गांव स्थित मां चंद्रिका देवी मंदिर में मौनी अमावस्या के पावन अवसर पर बुधवार को भक्तों की अपार भीड़ उमड़ी। सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा और हजारों भक्तों ने मां के दर्शन के लिए लंबी कतारों में प्रतीक्षा की। आदि शक्ति स्वरूपा मां चंद्रिका देवी के इस मंदिर की विशेष मान्यता है कि मौनी अमावस्या पर यहां दर्शन करने से भक्तों के सभी कष्ट दूर हो जाते हैं और माता की कृपा दृष्टि सदैव बनी रहती है। इसी आस्था के कारण दूर–दराज से लाखों श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए पहुंचते हैं। मंदिर मेला समिति ने भक्तों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए व्यापक स्तर पर तैयारियां की थीं। प्रशासन की ओर से भी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए और भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। इस तरह मौनी अमावस्या का पर्व श्रद्धा और सुव्यवस्था के साथ संपन्न हुआ।

तीर्थराज प्रयाग

आओ चलें प्रयाग , जहाँ गंगा–कालिंदी।
धर्म–सनातन–भाल , लगाती हरपल विंदी।।
करें न रंच विभेद , सभी को ले निज गोदी।
कल्पनेश सा रंक , ऋषीश्वर हों या मोदी।।

आओ चलें प्रयाग , त्रिवेणी धार निहारें।
मानव तन अनमोल , मिला यह योनि सँवारे।।
सब को एक समान , दुलारा करती माता।
त्राहिमाम कह त्राहि , शरण जो जन आ जाता।।

आओ चलें प्रयाग , महाजन सभी पधारे।
सकल अमंगल मूल , सहज निज वचन निवारे।।
जहाँ वेद–विख्यात , सभ्यता अंकुर लेती।
जितना संभव योग , बने लें–दें उस रेती।।

आओ चलें प्रयाग , सकल कवि–कोविद आए।
धर्म सनातन मूल , जहाँ वट–वृक्ष सुहाए।।
जिसकी महिमा वेद , विदित निगमागम गाते।
दर्शन चिन्मय हेतु , सभी जन दौड़े आते।।

आओ चलें प्रयाग ,त्रिवेणी तीर नहाने।
सरिता–भक्ति अगाध , गिरा मुदिता रस पाने।।
जिसके अमित प्रभाव , मनुज भव सागर तरता ।
भस्म लपेटे अंग , शिवापति दुख के हरता।।

आओ चलें प्रयाग , मूल माधव का देखें।
कौतुक बालमुकुंद , अधर श्रुतियाँ उल्लेखें।।
अद्भुत माधव क्षेत्र , त्रिवेणी घाट सुहाए।
सत्संगति के हेतु , सहज संतन मन भाए।।

आओ चलें प्रयाग , मकर रवि पावन आया।
परिवर्तन का योग , सुखद अवसर है लाया।।
जागे भारत वर्ष , केतु अपना फहराए।
करे तिमिर का अंत , प्रभा भास्कर ले आए।।

आओ चलें प्रयाग , कुम्भ अवगाहन करने।
बारह वर्षो बाद , कुम्भ–घट निर्मल भरने।।
कल्पनेश निर्भ्रांत , ईश–घर हमको चलना।
सुधा कुम्भ से दूर , रहे तो करतल मलना।।

आओ चलें प्रयाग , मिला यह क्षण अति दुर्लभ।
मिले कुम्भ संयोग , जगे तब जीवन सौरभ।।
आये तीर्थ महान , यहाँ इस घाट नहाने।
ठाँव नहीं जो अन्य , वही इस तट पर पाने।।

बाबा कल्पनेश

रहे बस मीठी वाणी

(कुण्डलिया)

हुए इक्कठे भक्तगण,गंग–जमुन के तीर।
कोई गाता गीत है,कोई कहता पीर।
कोई कहता पीर,समर्पित खुद को करके।
हर्षित कोई दिखा,मात्र झोली को भरके।
सुन लो कहें प्रदीप, बनो मत केवल लठ्ठे।
यही बताने आज ,साधु सब हुए इक्कठे।।

गगन–वायु,भू–जल,अग्नि,वैदिक मंत्रोच्चार।
साधु बताते हैं यही, मानव–जीवन सार।
मानव– जीवन सार,समझ कर मूरख प्राणी।
रखो हमेशा याद, रहे बस मीठी वाणी।
सुन लो कहें प्रदीप,वही इन्सा हैं भाते।
करके सबकुछ दान, न खुद को साधु बताते।।

डॉ०प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज
प्रयागराज

विद्युत विभाग का निजी करण नहीं होने देंगेः हरेश ठेनुआ

निजीकरण के विरोध में विद्युत विभाग की संयुक्त संघर्ष समिति को दिया पूर्ण समर्थन

मथुरा। भारतीय किसान यूनियन भानु ने वरिष्ठ राष्ट्रीय प्रवक्ता हरेश ठेनुआ एवं जिला अध्यक्ष देवेंद्र पहलवान के नेतृत्व में उपखंड कार्यालय के सभागार मथुरा में भाकियू भानु सैकड़ो के पदाधिकारी एवं उत्तर प्रदेश विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के पदाधिकारी के साथ विद्युत निजीकरण के विरोध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में भारतीय किसान यूनियन भानु के वरिष्ठ राष्ट्रीय प्रवक्ता हरेश ठेनुआ ने कहा कि किसान अपने बच्चों को खेत बेचकर इसलिए इंजीनियरिंग नहीं कराता कि उसका बेटा एक संविदा कर्मी बने। अगर विद्युत निजीकरण हुआ तो इसके विरोध में भारतीय किसान यूनियन भानू राष्ट्रीय व्यापी आंदोलन करेगी किसी भी कीमत पर विद्युत विभाग को निजी हाथों में नहीं जाने देंगे। विद्युत निजीकरण से किसानों पर मनमानी करते हुए किसानों का उत्पीड़न किया जाएगा जोकि स्वीकार्य नहीं है।जिला अध्यक्ष देवेंद्र पहलवान ने कहा कि विद्युत विभाग का निजीकरण ईस्ट इंडिया कंपनी की तरह है अगर सरकार पर विद्युत व्यवस्था नहीं संभाली जा रही तो इस्तीफा दे देना चाहिए। निजी करण से विद्युत विभाग के कर्मचारी और किसानों का अहित होगा। अगर देश को बचाना है तो निजीकरण को हटाना है सरकार विद्युत विभाग में अधिकारी और कर्मचारियों की भर्ती करे। जिस से रोजगार की कमी भी दूर होगी और संविदा कर्मियों के वेतन में बढ़ोतरी करें। विद्युत कर्मचारी भी इस देश के नागरिक हैं और हमेशा मौत का खतरा इन पर बना रहता है उनकी सुरक्षा का ध्यान रखते हुए मूलभूत सुविधा उपलब्धा कराए। भारतीय किसान यूनियन भानु के सभी पदाधिकारियों ने उत्तर प्रदेश विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष विद्युत समिति के जिला संयोजक राहुल चौरसिया को विद्युत विभाग के निजीकरण के विरोध में पूर्ण समर्थन दिया। इस दौरान भारतीय किसान यूनियन के वरिष्ठ राष्ट्रीय प्रवक्ता हरेश ठेनुआ, जिला अध्यक्ष देवेंद्र पहलवान, महानगर अध्यक्ष विजय सिंघल, गणेश तोमर, शैलेंद्र मिश्रा, उमाशंकर शर्मा, संघर्ष समिति के संयोजक राहुल चौरसिया,उपखंड अधिकारी देवेंद्र तिवारी आदि मौजूद रहे।

नगर आयुक्तने वैरागपुरा, रानी मंडी क्षेत्र में लोगों से किया सीधा संवाद

–निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने स्थानीय जनता की समस्याओं और मांगों को समझा

मथुरा। नगर आयुक्त शशांक चौधरी ने बुधवार को वैरागपुरा, रानी मंडी क्षेत्र में स्थानीय लोगों के साथ सीधा संवाद किया। बुधवार को नगर आयुक्त द्वारा वार्ड 17 वैरागपुरा, रानी मंडी का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान वार्ड के क्षेत्रीय पार्षद बृजेश खरे एवं सभी सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। वार्ड में निरीक्षण के दौरान क्षेत्रीय पार्षदगण एवं स्थानीय जनता द्वारा बतायी गयी समस्याओं को नगर आयुक्त द्वारा सुना गया। वाल्मीकि वाटिका का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान स्थानीय निवासियों के सुविधा के लिए बारात घर के निर्माण के लिए 15 वें वित्त में शामिल कर निर्माण कार्य करने के लिए प्रभारी मुख्य अभियंता सिविल निर्देशित किया गया। इसके बाद मलिन बस्ती का निरीक्षण किया। मलिन बस्ती में साफ सफाई, सड़क मार्ग, जल निकासी, पेयजल पूर्ति, प्रकाश व्यवस्था आदि व्यवस्थाओं का भ्रमण कर निरीक्षण किया गया। इस दौरान वार्ड में स्थित सार्वजनिक शौचालय का नगर आयुक्त द्वारा निरीक्षण किया गया। जिसमें साफ सफाई, जलापूर्ति, प्रकाश, हैण्ड वॉश, शौचालय के उपयोगकर्ताओं के फीडबैक रजिस्टर आदि को देखा गया तथा शौचालय को मानकों के अनुरूप साफ सफाई आदि समस्त व्यवस्थाओं के लिए कार्यदाई संस्था को निर्देशित किया गया। निरीक्षण के दौरान शौचालय के सामने पड़ी रिक्त भूमि पर बेंच लगाने, वृक्षारोपण करते हुए सौंदर्यीकरण की कार्यवाही किये जाने के लिए प्रभारी मुख्य अभियंता सिविल निर्देशित किया गया। इसके उपरांत नगर आयुक्त द्वारा वार्ड में स्थित प्राथमिक विद्यालय का निरीक्षण किया गया। विद्यालय में संचालित कक्षाओं का निरीक्षण किया गया। विद्यालय में अध्यापिकाओं के उपस्थिति रजिस्टर का अवलोकन किया गया इसके बाद छात्रों की उपस्थिति रजिस्टर का अवलोकन करते हुए छात्राओं की उपस्थिति की देखी गई। इसके उपरांत विद्यालय के शौचालय का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण में शौचालय सही अवस्था में नहीं पाए गए। विद्यालय में शौचालय, बाथरूम के निर्माण के लिए प्रभारी मुख्य अभियंता सिविल को निर्देशित किया गया। मलिन वस्तियों में सफाई का विशेष ध्यान दिये जाने के लिए जोनल सेनेटरी ऑफीसर को निर्देशित किया गया। निरीक्षण के दौरान राकेश कुमार त्यागी सहायक नगर आयुक्त, अमरेन्द्र गौतम प्रभारी मुख्य अभियंता सिविल, डा. गोपाल बाबू गर्ग नगर स्वास्थ्य अधिकारी, महेश चंद्र जोनल सेनेटरी ऑफीसर, मुनिदेव अवर अभियंता सिविल, राकेश राजपूत सफाई निरीक्षक उपस्थित थे।

महाकुम्भ मेला 2025 के दौरान मेला विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा मेले में आने वाले अपने सम्मानित श्रद्धालुओं/रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये विभिन्न मेला विशेष रेलगाड़ियों के संचालन की व्यवस्था की गयी है। इसी क्रम में समय-सारणीबद्ध निम्न रिंग रेल सेवा सहित आरक्षित, अनारक्षित मेला विशेष रेलगाड़ियों का संचालन किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त अन्य मेला विशेष रेलगाड़ियों का संचालन आवश्यकतानुसार किया जायेगा।

दिनांक 30.01.2025 (गुरूवार) को चलने वाली समय-सारणीबद्ध मेला विशेष रेलगाड़ियों की सूचीः-

गाड़ी सं.	स्टेशन से	प्रस्थान का समय	स्टेशन तक	आगमन का समय	मार्ग के अन्य स्टेशनों पर ठहराव
अनारक्षित रिंग रेल सेवा रेलगाड़ियों की सूची					
04111	प्रयागराज जं.	06.00	प्रयागराज जं.	18.50	प्रयागराज रामबाग, झूंसी, हंडिया खास, ज्ञानपुर रोड, माधोसिंह, बनारस, भदोही, जंघई, मड़ियाहूँ, ज़फराबाद, जौनपुर, शाहगंज जं., अक्बरपुर, गोशाईगंज, अयोध्या धाम, अयोध्या कैंट, सुल्तानपुर, माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़, मऊआइमा, फाफामऊ एवं प्रयाग
04112	प्रयागराज जं.	06.30	प्रयागराज जं.	21.00	
04113	प्रयागराज जं.	17.30	प्रयागराज जं.	07.45	
04114	प्रयागराज जं.	17.45	प्रयागराज जं.	08.00	
04120	प्रयागराज जं.	13.30	प्रयागराज जं.	04.00	
04109	गोविन्दपुरी	15.45	गोविन्दपुरी	07.00	कानपुर सेन्ट्रल, बिन्दकी रोड, फतेहपुर, खागा, सिराथू, भरवारी, प्रयागराज जं., नैनी जं., शंकरगढ़, बरगढ़, इभौंरा, मानिकपुर जं., चित्रकूट धाम कर्वी, अतर्रा, बांदा जं., रागौल, भरुआ सुमेरपुर, हमीरपुर रोड, घाटमपु एवं भीमसेन
04110	गोविन्दपुरी	07.30	गोविन्दपुरी	21.30	
01803	वी. लक्ष्मीबाई झाँसी	12.00	वी. लक्ष्मीबाई झाँसी	09.00	चिरगाँव, मौठ, ऐट, उरई, कालपी, पुखरायाँ, भीमसेन, गोविन्दपुरी, बिन्दकी रोड, फतेहपुर, खागा, सिराथू, भरवारी, प्रयागराज जं., नैनी जं., शंकरगढ़, बरगढ़, इभौंरा, मानिकपुर जं., चित्रकूट धाम कर्वी, अतर्रा, बांदा जं., महोबा, कुलपहाड़, हरपालपुर, मऊ रानीपुर, निवाड़ी एवं ओरछा
01804	वी. लक्ष्मीबाई झाँसी	20.10	वी. लक्ष्मीबाई झाँसी	16.30	
अनारक्षित मेला विशेष रेलगाड़ियों की सूची					
01809	वी. लक्ष्मीबाई झाँसी	04.00	प्रयागराज छिवकी	14.45	ओरछा, बरुआ सागर, निवाड़ी, मगरपुर, टेहरका, रानीपुर रोड, मऊरानीपुर, रोरा, हरपालपुर, घुटई, बेलाताल, कुलपहाड़, चरखारी रोड, महोबा, बरिपुरा, कबरई, मटौंध, खैरार, बाँदा, डिंगवाहो, खुरहण्ड, अतर्रा, बदौसा, भरतकूप, शिवरामपुर, चित्रकूट धाम कर्वी, खोह, बहिलपुरवा, मानिकपुर, इभौंरा, बरगढ़ एवं शंकरगढ़
01810	प्रयागराज छिवकी	16.00	वी. लक्ष्मीबाई झाँसी	05.00	
01811	वी. लक्ष्मीबाई झाँसी	10.10	प्रयागराज छिवकी	22.50	
01812	प्रयागराज छिवकी	23.20	वी. लक्ष्मीबाई झाँसी	13.10	
01813	बाँदा	19.10	कटनी	05.15	डिंगवाही, खुरहण्ड, अतर्रा, बदौसा, भरतकूप, शिवरामपुर, चित्रकूट धाम कर्वी, खोह, बहिलपुरवा, ओहन, सतना एवं मैहर
01814	कटनी	07.00	बाँदा	14.50	
01817	बीना जं.	11.00	प्रयागराज छिवकी	02.50	ललितपुर, टीकमगढ़, खड़गपुर,महाराजा छत्रसाल छतरपुर खजुराहो, सिंहपुर-डुमरा, महोबा जं., बांदा, अतर्रा, चित्रकूट धाम कर्वी, मानिकपुर एवं शंकरगढ़
01818	प्रयागराज छिवकी	03.45	बीना जं.	17.30	
01819	बीना जं.	17.50	सूबेदारगंज	09.20	ललितपुर, टीकमगढ़, खड़गपुर, महाराजा छत्रसाल छतरपुर, खजुराहो, महोबा, खैरार, रागौल, भरुआ सुमेरपुर,घाटमपुर, गोविंदपुरी, बिन्दकी रोड, फतेहपुर, खागा, सिराथू एवं भरवारी
01820	सूबेदारगंज	09.50	बीना जं.	03.00	
00109	प्रयागराज	05.00	कानपुर सेन्ट्रल	10.15	सूबेदारगंज, भरवारी, सिराथू, खागा, फतेहपुर एवं बिन्दकी रोड,
00110	प्रयागराज	14.00	कानपुर सेन्ट्रल	17.30	
00111	प्रयागराज	16.05	कानपुर सेन्ट्रल	19.30	
00112	प्रयागराज	18.00	कानपुर सेन्ट्रल	22.30	
00113	प्रयागराज	19.50	कानपुर सेन्ट्रल	01.25	
00114	प्रयागराज	21.30	कानपुर सेन्ट्रल	02.40	
00210	प्रयागराज	05.00	पं. दीन दयाल उपाध्याय जं.	08.30	नैनी जं., मेजा रोड, मांडा रोड, विन्ध्याचल, मिर्जापुर एवं चुनार
00211	प्रयागराज	09.30	पं. दीन दयाल उपाध्याय जं.	13.20	
00212	प्रयागराज	12.00	पं. दीन दयाल उपाध्याय जं.	15.15	
00213	प्रयागराज	14.00	पं. दीन दयाल उपाध्याय जं.	17.15	
00214	प्रयागराज	15.30	पं. दीन दयाल उपाध्याय जं.	20.45	
00215	प्रयागराज	19.30	पं. दीन दयाल उपाध्याय जं.	00.35	
00216	प्रयागराज	22.00	पं. दीन दयाल उपाध्याय जं.	05.10	
00403	प्रयागराज छिवकी	10.30	पं. दीन दयाल उपाध्याय जं.	13.50	मेजा रोड, मांडा रोड, विन्ध्याचल, मिर्जापुर एवं चुनार
00404	प्रयागराज छिवकी	20.30	पं. दीन दयाल उपाध्याय जं.	03.30	
00306	प्रयागराज जं.	13.30	वी. लक्ष्मीबाई झाँसी	01.00	नैनी, शंकरगढ़, बरगढ़, इभौंरा, मानिकपुर, चित्रकूट धाम कर्वी, अतर्रा, बांदा जं., महोबा, कुलपहाड़, हरपालपुर,मऊ रानीपुर, निवाड़ी, ओरछा
00506	प्रयागराज छिवकी	16.45	बाँदा	22.45	शंकरगढ़, बरगढ़, इभौंरा, मानिकपुर, चित्रकूट धाम कर्वी एवं अतर्रा
00605	नैनी जं.	11.25	बाँदा	17.00	
00305	प्रयागराज जं.	10.40	कटनी	17.30	नैनी जं., शंकरगढ़, बरगढ़, इभौंरा, मानिकपुर, टिकरिया, मझिगवां, जैतवार, सतना, मैहर एवं झुकेही
00308	प्रयागराज जं.	20.15	कटनी	04.00	
00307	प्रयागराज जं.	18.20	सतना	00.30	नैनी जं., शंकरगढ़, बरगढ़, इभौंरा, मानिकपुर, टिकरिया, मझिगवां एवं जैतवार
00505	प्रयागराज छिवकी	15.00	कटनी	22.00	शंकरगढ़, बरगढ़, इभौंरा, मानिकपुर, टिकरिया, मझिगवां, जैतवार, सतना, मैहर एवं झुकेही
00508	प्रयागराज छिवकी	20.55	कटनी	04.30	
00507	प्रयागराज छिवकी	18.55	सतना	01.00	शंकरगढ़, बरगढ़, इभौंरा, मानिकपुर, टिकरिया, मझिगवां एवं जैतवार
00606	नैनी जं.	21.00	सतना	03.30	
04117	प्रयागराज जं.	22.20	अयोध्या कैण्ट	03.20	प्रयाग, फाफामऊ, मऊआइमा, माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ एवं सुल्तानपुर
04118	अयोध्या कैण्ट	05.15	प्रयागराज जं.	10.15	
08248	रीवा	06.45	मानिकपुर	10.15	तुर्की रोड, बघई रोड, हिनौतारामबन, कैमा, जैतवार एवं मझगवां
08247	मानिकपुर	11.15	रीवा	14.30	
01821	ग्वालियर	21.40	सूबेदारगंज	08.00	शनिश्चरा, मलनपुर, गोहद रोड, सोनी, भिण्ड, इटावा जं., फफूंद, झींझक, रुरा एवं गोविंदपुरी
01822	सूबेदारगंज	08.30	ग्वालियर	18.00	
उत्तर मध्य रेलवे से चलने वाली आरक्षित मेला विशेष रेलगाड़ियों की सूची					
04145	सूबेदारगंज	21.33	दिल्ली	08.55	अलीगढ़ जं., टूण्डला जं., इटावा जं., गोविंदपुरी एवं फतेहपुर

नोटः रेल यात्रियों को सुझाव दिया जाता है कि उपरोक्त रेलगाड़ियों की समय-सारणी, संरचना एवं अन्य स्टेशनों पर ठहराव से संबंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139, एनटीईएस ऐप एवं रेल मदद वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in के माध्यम से अद्यतन जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

महाकुम्भ 2025 रेलवे टोल फ्री नं.1800 4199 139 | उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 195/25 FA

सम्पादकीय.....

मनरेगा की विसंगति

इसमें दो राय नहीं कि ग्रामीण क्षेत्रों में दृश्य व अदृश्य बेरोजगारी में कमी लाने में महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना यानी मनरेगा का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इस योजना ने जहां एक ओर ग्रामीण उपभोक्ताओं को अपने गांव के पास रोजगार दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है, वहीं अंतर्राज्यीय प्रवास को कम किया है। साथ ही ग्रामीण उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति भी बढ़ी है। काम की तलाश में शहरों को जाने वाले श्रमिकों की संख्या में कमी के भी आंकड़े सामने आए हैं। खासकर कोरोना संकट में जब ग्रामीण महानगरों से पलायन करके बड़ी संख्या में गांव की तरफ लौटे तो इस योजना ने जीवनदायिनी भूमिका निभाई है। लेकिन फिलहाल ग्रामीण आजीविका के लिये जीवन रेखा कही जाने वाली महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना एक बार फिर धन की कमी से जूझ रही है। ऐसा लगता है कि कांग्रेस शासन में शुरू की गई मनरेगा योजना राजग सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल नहीं है। वार्षिक वित्तीय संकट से जूझ रही मनरेगा योजना के लिए केंद्र सरकार ने वर्ष 2024–25 में 86,000 करोड़ रुपये आवंटित किए थे। इसके बावजूद 4,315 करोड़ मूल्य का वेतन भुगतान लंबित है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023–24 में इस योजना के केवल छह माह में ही 6,146 करोड़ का घाटा हुआ था। इसी तरह वर्ष 2022–23 में 89,400 करोड़ का संशोधित धनराशि का आवंटन मूल बजट से 33 प्रतिशत अधिक था। निस्संदेह, ग्रामीण श्रमिकों के लिये लायी गई मनरेगा योजना की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिये वार्षिक राशि आवंटन को लेकर सवाल उठने स्वाभाविक हैं। जो केंद्र सरकार की वित्तपोषण की प्राथमिकताओं को लेकर कई प्रासंगिक प्रश्न उठाती है। इस योजना के क्रियान्वयन में वित्तीय तंगी तंत्र की विसंगितयों को ही दर्शाती है। वहीं कांग्रेस ने मनरेगा के अंतर्गत मजदूरी को बढ़ाकर 400 रुपये प्रतिदिन करने की मांग की है। निस्संदेह, यह मांग महंगाई के बीच एक स्थायी समाधान के बजाय एक राजनीतिक दृष्टिकोण को ही दर्शाती है। निस्संदेह, कांग्रेस की यह मांग राजनीतिक लाभ के लिये एक लोकप्रिय कदम तो हो सकता है, मगर यह योजना की मूल समस्या के कारकों को संबोधित करने में विफल रहती है। मौजूदा वक्त में प्राथमिकता समय पर पर्याप्त धन आवंटन करने तथा प्रणालीगत विसंगतियों को दूर करना होनी चाहिए। दरअसल, भुगतान के लिये अपनायी गई प्रणाली से श्रमिकों को भुगतान में परेशानी आती रही है। आधार कार्ड आधारित भुगतान की ब्रिज प्रणाली और राष्ट्रीय मोबाइल निगरानी प्रणाली जैसे तकनीकी कारकों ने भुगतान की उलझनों को बढ़ाया है। ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट की कनेक्टिविटी की बाधाओं और आधार सत्यापन की आवश्यकताओं के कारण बड़े पैमाने पर जॉब कार्ड हटाए गए हैं। यही वजह है कि अनेक कारणों के चलते वर्ष 2022 में करीब नौ करोड़ श्रमिकों ने इस योजना तक अपनी पहुंच खो दी है। हालांकि, इस प्रणाली को पारदर्शिता बढ़ाने के उपायों के रूप में प्रचारित किया गया। लेकिन ये कदम लाखों श्रमिकों के लिये आजीविका के मार्ग में बाधा बन गए। उल्लेखनीय है कि मनरेगा को ग्रामीण परिवारों के लिये आजीविका सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये एक मांग संचालित योजना के रूप में तैयार किया गया था। निस्संदेह, मनरेगा ने ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी के संकट को ही उजागर किया है। ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ती काम की मांग और शहरी क्षेत्रों में नौकरियों की कमी के संकेत लगातार मिलते रहे हैं। निस्संदेह, गांवों में गरीबी उन्मूलन में मनरेगा के योगदान को कम करके नहीं आंका जा सकता। आसन्न बजट में इस योजना से जुड़ी विसंगतियों को दूर करने के लिये गंभीर प्रयास की जरूरत है। सरकार को मनरेगा के लिये एक व्यावहारिक बजट बनाना चाहिए। साथ ही योजना के पारदर्शी क्रियान्वयन के लिये प्रशासनिक बाधाओं को दूर करने को प्राथमिकता देनी चाहिए। निर्विवाद रूप से मनरेगा में मांग के अनुपात में धन का आवंटन लगातार कम हो रहा है। यही वजह है कि फंड की कमी के चलते वर्ष के मध्य में अनुमानित संकट पैदा हो रहा है।

महू से संविधान-रक्षा की निर्णायक लड़ाई

डॉ. दीपक पाचपोर

विपक्षी दलों सहित सभी तरह की विरोध व असहमतियों की आवाजों को सरकार दबा रही है। आर्थिक शक्तियों पर आधिपत्य करने के लिये भाजपा व उसकी केन्द्र सरकार राजनीतिक ताकत को अपनी मुट्ठी में ले चुकी है।

मध्यप्रदेश के इंदौर के निकट स्थित बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की जन्मस्थली महू से कांग्रेस ने संविधान की रक्षा की निर्णायक लड़ाई छेड़ दी, जब सोमवार को आयोजित एक विशाल सभा को सम्बोधित करते हुए कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने देश की मौजूदा राजनीतिक, सामाजिक व आर्थिक परिस्थितियों का व्यापक चित्रण करते हुए चेताया कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार दलितों, आदिवासियों, एवं कमजोर वर्गों के हक को मार रही है। वंचितों के लिये संविधान के महत्व को समझाते हुए राहुल ने बतलाया कि जिस दिन देश का संविधान खत्म हो जायेगा उस दिन इन वर्गों के लिये कुछ भी नहीं बचेगा। वैसे तो कांग्रेस ने सामाजिक न्याय की लड़ाई पिछले कुछ समय से कई–कई मोर्चों पर और अनेक स्वरूपों में छेड़ रखी है, लेकिन महू की सभा में राहुल ने जिस स्पष्टता व व्यापकता से संविधान की अहमियत प्रतिपादित की तथा उस पर छाये संकटों का ब्यौरा दिया, उसके चलते उम्मीद की जा सकती है कि कांग्रेस का संदेश इन वर्गों तक ही नहीं वरन समग्र समाज तथा देश को समझ में आयेगा कि किस प्रकार से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी संविधान को समाप्त कर लोक अधिकारों का सम्पूर्ण खात्मा करना चाहती है। इस सभा में जय बापू जय भीम जय संविधान का जो नारा दिया गया है वह कोई रातों–रात गढ़ा गया अथवा एकाएक सोची गयी थीम न होकर एक वैचारिक प्रक्रिया से निकली हुई यह सोद्देश्य लड़ाई है। याद हो कि राहुल ने 7 सितम्बर, 2022 को कन्याकुमारी से लगभग चार हजार किलोमीटर का दक्षिण से उत्तर की ओर पैदल मार्च किया था और जिसका समापन कश्मीर के श्रीनगर में 30 जनवरी, 2023 को हुआ था, उसे 'भारत जोड़ो यात्रा' का नाम दिया गया था। वह देश में नफरत के खिलाफ मोहब्बत की यात्रा थी। साम्प्रदायिक सौहार्द्र के लिये निकली उस यात्रा के दौरान अनेक मुद्दों पर राहुल चर्चा करते दिखे जिसमें यह तथ्य सामने आया कि भाजपा एवं उसकी मातृ संस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एक खास एजेंडे के तहत देश में ऐसा माहौल बना रही है। एक ओर तो वह हिन्दू–मुस्लिमों को लड़ा रही है तो वहीं वह दूसरी ओर अगड़ों–पिछड़ों के बीच खाई को चौड़ा करने के बड़े षडयंत्र और कुचक्र रच रही है। जैसे–जैसे यह यात्रा बढ़ी तो लोगों को यह बात स्पष्ट होने लगी कि इसके पीछे का असली खेल देश के सारे संसाधन मुट्ठी भर कारोबारियों को सौंप देने का है। लाभकारी सार्वजनिक उपक्रम दो बड़े व्यवसायियों के हाथों में देने के दुष्परिणाम ये हैं कि देश में गरीबी, बेकारी और बेहाली छाई है। शिक्षा व स्वास्थ्य सहित सारे जनहित के कार्य ठप पड़े हैं और धर्म व जाति के जरिये भाजपा केवल ध्रुवीकरण में व्यस्त है। विपक्षी दलों सहित सभी तरह की विरोध व असहमतियों की आवाजों को सरकार दबा रही है। आर्थिक शक्तियों पर आधिपत्य करने के लिये भाजपा व उसकी केन्द्र सरकार राजनीतिक ताकत को अपनी मुट्ठी में ले चुकी है। यह कार्य आसानी से करने के लिये ही उसने सामाजिक ताने–बाने को ध्वस्त कर दिया है। इसलिये जब राहुल गांधी ने उस यात्रा का सीक्वल हाई ब्रीड (पैदल व वाहन के जरिये) के रूप में मणिपुर से 14 जनवरी, 2024 से प्रारम्भ कर दो माह बाद मुम्बई में समाप्त किया, तो उसे भारत जोड़ो न्याय यात्रा नाम दिया गया जो समय की आवश्यकता एवं समय के अनुरूप ही था। सामाजिक सौहार्द्र की लड़ाई को कांग्रेस ने केवल सामाजिक ही नहीं, बल्कि राजनीतिक व आर्थिक न्याय की लड़ाई के रूप में भी बड़ा विस्तार दिया। लोकसभा के लिये पिछले साल के मध्य में हुए चुनाव में भाजपा ने जो 400 पार का नारा दिया था उससे एक तरह से संविधान को पहला बड़ा और साफ खतरा उभरकर आया। वैसे तो पहले से यह दिख रहा था कि भाजपा व संघ की पसंद भारत का संविधान नहीं वरन मध्ययुगीन संहिता मनुस्मृति है। कई मौकों पर वह संविधान को कोसती आई थी। उसके कई नेता तथा चुनावी प्रत्याशी उसे बदलने की मंशा जतला चुके थे। वे यह कहकर वोट मांग रहे थे कि मोदी को 400 सीटें चाहिये क्योंकि संविधान को बदलना है। इस बात को कांग्रेस व उसके नेतृत्व में बने प्रतिपक्षी गठबन्धन इंडिया के साथ जनता ने भांप लिया जिसके कारण भाजपा की सीटें इतनी घट गयीं कि मोदी को तेलुगु देसम पार्टी व जनता दल यूनाइटेड के समर्थन से सरकार बनानी पड़ी। वैसे तो आरोप हैं कि तकरीबन 80 सीटों पर ईवीएम के जरिये हेर–फेर हुआ है। बहरहाल, भाजपा के मंसूबे ध्वस्त होने का परिणाम यह हुआय और भाजपा को संविधान की ताकत का एहसास भी हो गया कि उसे संविधान के आगे सिर झुकाना पड़ा। फिर भी, भाजपा–संघ की संविधान के प्रति वास्तविक श्रद्धा तो कभी थी ही नहींय जो थी वह अस्थायी व कृत्रिम थी। अवसर आने पर उसकी कलई खुलती गयी। राज्यसभा में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा विपक्षी सदस्यों पर यह कहकर तंज कसना कि, अंबेडकर का नाम लेना फैशन हो गया है..., यह बतलाने के लिये काफी था कि भाजपा व संघ संविधान निर्माता का कितना सम्मान करते हैं। दूसरी तरफ मोहन भागवत ने हाल ही में यह बयान दिया था कि च्च्देश को असली आजादी 22 जनवरी, 2024 को मिली है।श उनका आशय अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा से था। यह बतलाता है कि उनके लिये 1947 में प्राप्त स्वतंत्रता और संविधान दोनों ही अमान्य हैं। वैसे भी दोनों संगठनों के लिये महात्मा गांधी तथा जवाहरलाल नेहरू के अलावा अंबेडकर हमेशा निशाने पर रहे हैं।

गणतंत्र / 75 प्रतिशत कुछ इशारे!

राजेन्द्र शर्मा

बेढब तो है, पर हैरान नहीं करता है कि गणतंत्र की पूर्व–संध्या पर अपने परंपरागत संबोधन में राष्ट्रपति मुर्मू ने श्एक देश, एक चुनावश का जी भरकर गुणगान किया। उन्होंने इसे अपनी सरकार का श्साहसपूर्ण दूरदर्शिताश का प्रयास ही करार नहीं दिया, यह दावा भी किया कि इससे सुशासन को नये आयाम दिए जा सकते हैं। राष्ट्रपति ने इस दूरदर्शी साहस के लाभों का बखान करते हुए कहा कि एक देश एक चुनाव की व्यवस्था से शासन में निरंतरता को बढ़ावा मिल सकता है, नीति निर्धारण से जुड़ी निष्क्रियता समाप्त की जा सकती है, संसाधनों के अन्यत्र खर्च हो जाने की संभावना कम हो सकती है तथा वित्तीय बोझ को कम किया जा सकता है। इसके अलावा जनहित में अनेक अन्य लाभ हो सकते हैं। यहां हम एक देश, एक चुनावश के प्रोजेक्ट के गुण–दोष की बात नहीं कर रहे हैं। यह दूसरी बात है कि राष्ट्रपति के इस प्रोजेक्ट के गुणों के बखान में एक भी ऐसे तर्क का न होना थोड़ा निराश तो जरूर करता है, जो तर्क इस नारे के उछाले जाने के बाद से इसके पक्ष में पहले ही नहीं सुना जा चुका हो। तमाम चुनाव एक साथ कराए जाने से संसाधनों की बचत, नीति निर्धारण में चुनाव संबंधी पाबंदियों के चलते पड़ने वाली बाधाओं से उबरना, शासन में निरंतरता में बढ़ोतरी, आदि सब वही तर्क हैं जो बिना किसी ठोस साक्ष्य के और वास्तव में बिना किसी ठोस तर्क के भी, इतनी बार दोहराए गए हैं कि सुन–सुनकर कान पक गए हैं। फिर भी राष्ट्रपति को अपनी ओर से कुछ नया तर्क जोड़ेना ही चाहिए, इस तरह की मांग को तो शायद ज्यादती भी कहा जा सकता है, हालांकि ऐसा होना इस नारे के पक्ष में तर्कों के सतहीपन को जरूर दिखाता है। खैर! असली बात यह है कि हमारी संवैधानिक व्यवस्था में राष्ट्रपति का पद, श्अपनी सरकारश के श्परामर्शश से जिस तरह बंधा हुआ है, उसे देखते हुए राष्ट्रपति के अपनी सरकार के किसी फैसले का बचाव करने को किसी भी तरह से गलत नहीं कहा जा सकता है। जहां तक एक देश एक चुनाव के प्रोजेक्ट का सवाल है, उस पर राष्ट्रपति मुर्मू की सरकार अंततः अपने अनुमोदन की मोहर ही नहीं लगा चुकी है, वह दो विधेयकों के रूप में इससे संबंधित संशोधन प्रस्तावों को पिछले ही सत्र में संसद में पेश भी कर चुकी है। और इन विधेयकों को और विचार के लिए, संयुक्त संसदीय समिति के सामने भेजा भी जा चुका है। फिर भी, राष्ट्रपति द्वारा एक देश एक चुनाव का जोर–शोर से ढोल पीटे जाने में कानूनी व्यवस्थाओं के तकनीकी पहलू से चाहे कुछ भी गलत नहीं हो, फिर भी संवैधानिक नैतिकता के पहलू से इसके समस्यापूर्ण होने से इंकार नहीं किया जा सकता है। अव्वल तो यह सरकार के एक ऐसे फैसले का राष्ट्रपति द्वारा ढोल पीटे जाने का मामला है, जिस पर देश तथा जनमत के पूरी तरह से बंटे होने से किसी भी तरह से इंकार नहीं किया जा सकता है। पूर्व–राष्ट्रपति की अध्यक्षता में गठित उच्चाधिकार–प्राप्त समिति के अंततरू अपनी सिफारिशें देने से पहले उसे उक्त प्रस्ताव के पक्ष और विपक्ष में देश की जितनी राजनीतिक पार्टियों की राय मिली थी, उस पर एक नजर भर डालने से ही, इस मुद्दे पर जनमत के गंभीर रूप से विभाजित होने का सच सामने आ जाता है। वास्तव में यह सच भी किसी से छुपा हुआ नहीं है कि इस परियोजना के पीछे मुख्य संचालक, सत्ताधारी भाजपा ही है, हालांकि उसके लिए अपने सहयोगी दलों को घेर–बटोरकर इस प्रोजेक्ट के पक्ष में करना भी मुश्किल नहीं हुआ है। सच तो यह है कि साथ–साथ चुनाव संबंधी विधेयकों का विचार के लिए संयुक्त संसदीय समिति को भेजा जाना भी, इस मामले पर विचारों की व्यापक भिन्नता को ही दिखाता है। यह संयोग ही नहीं है कि मोदी के तीसरे कार्यकाल में यह दूसरा ही मौका है, जब किसी विधेयक को विस्तृत विचार–विमर्श के लिए संयुक्त संसदीय समिति को भेजा गया है। इस सिलसिले में यह याद दिलाना भी अप्रासंगिक नहीं होगा कि इस प्रोजेक्ट को अमल में लाने के लिए किए प्रस्तावित संशोधनों में, कई संविधान संशोधन भी शामिल हैं। दूसरे शब्दों में यह ऐसा प्रस्ताव है, जो वर्तमान रूप में संविधान की व्यवस्थाओं के खिलाफ जाता है। ऐसे मामले में राष्ट्रपति के सरकार के फैसले के अनुमोदन के लिए दौड़ पड़ने की जल्दबाजी कम से कम बेढब तो जरूर ही कही जाएगी। हालांकि, इस संभावना को काल्पनिक ही कहा जाएगा, फिर भी बहस के लिए अगर हम यह मान लें कि संसद के सामने विचाराधीन संशोधन, विफल हो जाते हैं, तो एक देश एक चुनाव की राष्ट्रपति की इस जोरदार पैरवी का क्या होगा? याद रहे कि इस पैकेज में शामिल संविधान संशोधन के प्रस्तावों का, संसद के दोनों सदनों में दो–तिहाई बहुमत से पारित होना, वैसे भी बहुत मुश्किल है। साफ है कि राष्ट्रपति हर एक लिहाज समस्यापूर्ण परियोजना के साथ अपना नाम जोड़ने की हड़बड़ी दिखा रही थीं। वह भी तब जबकि यह गणतंत्र दिवस की पूर्व–संध्या में राष्ट्रपति के परंपरागत किंतु समारोही संबोधन का मामला था। कम से कम ऐसे संबोधन में राष्ट्रपति के अक्षरशः अपनी सरकार के लिखे को पढ़ने की मजबूरी नहीं होनी चाहिए। कम से कम नकारात्मक विवेक का उपयोग कर, राष्ट्रपति सरकार के विशेष रूप से ऐसे विवादास्पद तथा संसदीय प्रक्रियाधीन प्रोजेक्ट का ढोल पीटने से तो खुद को अलग रख ही सकती थीं। बेशक, राष्ट्रपति के इस अभिभाषण में एक यही चीज विवादास्पद नहीं थी। अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने अपनी सरकार की गरीबी तथा भुखमरी से देश और लोगों को उबारने की श्उपलब्धियोंश के अतिरंजित दावे तो किए ही, इसके साथ ही उन्होंने तथाकथित औपनिवेशिक मानसिकता के अवशेषों से उबरने के प्रयास के रूप में तीन नयी फौजदारी संहिताओं का भी जिक्र किया। और इस सब के ऊपर से कुंभ के आयोजन के बहाने से इसका भी दावा किया कि श्हमारी सांस्कृतिक विरासत के साथ हमारा जुड़ाव और अधिक गहरा हुआ है। राष्ट्रपति के इन सभी दावों पर विवाद हो सकता है। लेकिन, गणतंत्र दिवस के समारोही मौके पर कम से कम श्एक देश, एक चुनावश के कर्कश विवाद में न पड़ने का विवेक राष्ट्रपति को और उन्हें इस विवाद में न घसीटने का विवेक मोदी सरकार को दिखाना चाहिए था। लेकिन, दोनों ने ही ऐसे विवेक का प्रदर्शन नहीं किया, जो अपने 75 वर्ष पूरे करने के मौके पर भारतीय गणराज्य की दशा–दिशा की ओर एक कठोर इशारा है। वास्तव में ऐसा ही एक और इशारा खुद भारतीय गणतंत्र के 75साल पूरे होने को लेकर किया गया है। स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने को लेकर जैसा समारोही जोश शासन में दिखाई दिया था, उसका सौवां हिस्सा भी गणतंत्र के 75 वर्ष पूरे होने को लेकर नहीं दिखाई दिया। इस मौके पर हर साल की तरह, गणतंत्र दिवस परेड का आयोजन ही पर्याप्त समझा गया। वास्तव में गणतंत्र दिवस को काफी हद तक, मोदी के राज में शुरू किए गए 25 नवंबर की संविधान दिवस ईवेंट से प्रतिस्थापित किया चुका है। इसीलिए, संविधान के स्वीकार किए जाने के (लागू होने के नहीं) 75 साल पूरे होने का तो संसद के विशेष सत्र से और उसके बाद संसद के शीतकालीन सत्र में संविधान के 75 वर्ष पर विशेष बहस से जोर–शोर से पालन किया गया, लेकिन गणतंत्र के 75 साल होने का विशेष रूप से पालन करने की जरूरत महसूस नहीं की गयी। लेकिन क्यों? वर्तमान सत्ताधारियों को गणतंत्र दिवस से समस्या यह भी लगती है कि स्वतंत्र भारत के संविधान के लागू किए जाने के लिए, 26 जनवरी का ही दिन इसलिए चुना गया था कि राष्ट्रीय आंदोलन के प्रमुख प्रतिनिधि के रूप में कांग्रेस के पूर्ण स्वराज की मांग स्वीकार करने के बाद, 26 जनवरी का ही दिन पूर्ण स्वराज दिवस के रूप में मनाने के लिए चुना गया था और उसके बाद 1947 में 15 अगस्त को भारत को स्वतंत्रता मिलने तक, हर साल 26 जनवरी का ही दिन स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाता रहा था। दूसरी ओर, वर्तमान सत्ताधारियों के पुरखा, आरएसएस और हिंदू महासभा ही इस स्वतंत्रता दिवस के पालन से दूर ही रहे थे।

अंतरिम सरकार के तहत बांग्लादेश में पाकिस्तान समर्थक लहर

आशीष विश्वास

बांग्लादेश मेंअर्थशास्त्री मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अनिर्वाचित अंतरिम शासकों का एक समूह पाकिस्तान के साथ घनिष्ठ संबंध बनाने के लिए बेताब है। उस पाकिस्तान से जिससे उनका देश केवल पांच दशक पहले हिंसक तरीके से अलग हुआ था। अपने स्वयं के (तत्कालिक) इतिहास के एक अजीब उलटफेर में, बांग्लादेशियों ने दक्षिण एशिया में एक स्वतंत्र, सम्प्रभु देश के रूप में अस्तित्व में रहने और कार्य करने में स्पष्ट रूप से असमर्थता दिखाई है। तथ्यों पर गौर करें 1947 में बांग्लादेशियों को, पूर्व पाकिस्तानी होने के नाते, इस्लामी गणराज्य के पूर्वी हिस्से में गरीब, तीसरे दर्जे का नागरिक माना जाता था। अपने शोषण से तंग आकर, उन्होंने 1970–71 में पाकिस्तान को पूरी तरह से खारिज करते हुए अलग होने का फैसला किया। बाद के दशकों में कभी–कभार तनाव के बावजूद, वे मोटे तौर पर भारत के साथ जुड़े रहे – कुछ महीने पहले तक। अपनी आजादी हासिल करने के लिए, उन्होंने क्रूर पाकिस्तानी सेना के खिलाफ संघर्ष करते हुए जान गंवाने के रूप में बहुत बड़ी कीमत चुकाई। अब अचानक, 2025 में, डॉ. मोहम्मद यूनुस और उनकी टीम के नेतृत्व में कुछ बांग्लादेशियों ने फैसला किया है कि एक बार फिर से, वे पाकिस्तानियों के साथ रहना बेहतर समझेंगे! 5 अगस्त 2024 को अवामी लीग (एएल) के खिलाफ तख्तापलट के बाद, अचानक, भारत दक्षिण एशिया में आधिकारिक बांग्लादेशी राजनीतिक आख्यान में नया बांग्लादेशी विरोधी खलनायक बनकर उभरा है। इसलिए यह आश्चर्य की बात नहीं है कि भारत और यहां तक कि गैर–निवासी भारतीय जिनका भारत सरकार से कोई संबंध नहीं है, बांग्लादेश को परेशान करने वाली कई प्रणालीगत समस्याओं के लिए आलोचना का शिकार हो रहे हैं। इनमें द्विपक्षीय सौदों में बड़े व्यापार अंतर से लेकर अंतरराष्ट्रीय नदियों का सूखना और यहां तक कि आईएमएफ और विश्व बैंक के साथ अपने व्यवहार में बांग्लादेश के खिलाफ दबाव शामिल हैं! भारत विरोधी गुस्से के विस्फोट के लिए जो भी कारण हो, यूनुस के नेतृत्व वाले प्रशासन ने हाल ही में पाकिस्तान की शक्तिशाली खुफिया एजेंसी आईएसआई के प्रमुख की बांग्लादेश की विवादास्पद यात्रा को प्रायोजित किया, जिसकी प्रतिष्ठा बहुत अच्छी नहीं है। भारत–बांग्लादेश संबंधों में मौजूदा ठंड को देखते हुए, अधिकांश ढाका–आधारित टिप्पणीकारों विश्लेषकों ने ढाका द्वारा दिल्ली को भेजे जा रहे मजबूत, अमित्र संकेतों पर टिप्पणी की है। आईएसआई का यह दौरा ढाका में पहले ही बहुत धूमधाम से घोषित किये जा चुके कुछ अन्य कदमों के मद्देनजर हुआ है। बांग्लादेश का कार्यवाहक शासन पाकिस्तान में शाहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली सरकार से दोस्ती करने की जल्दी में है। इसने पाकिस्तानी आगंतुकों के लिए वीजा नियमों में पहले ही ढील दे दी है और उर्दू के प्रचार के लिए बांग्लादेश में और अधिक पाठ्यक्रमों की व्यवस्था कर रहा है। सांस्कृतिक आदान–प्रदान और गठजोड़ को प्रोत्साहित किया जा रहा है। नयी पाठ्य पुस्तकें, जिनमें दिवंगत शेख मुजीबुर रहमान, ताजुद्दीन अहमद या यहां तक कि जियाउर रहमान द्वारा स्वतंत्रता आंदोलन में निभाई गई भूमिका को शामिल नहीं किया गया है, छात्रों के बीच वितरित की जा रही हैं। रिपोर्टों के अनुसार, स्वाभाविक रूप से बांग्लादेश के स्वतंत्रता संग्राम में भारत की सहायक भूमिका और योगदान, रहमान की अवामी लीग को उसका समर्थन, भारत–पाक युद्ध के दौरान कम से कम 10,000 भारतीय सैनिकों की शहादत को कम महत्व दिया गया है। संक्षेप में, अपने उतार–चढ़ाव भरे अस्तित्व के पहले पांच दशकों के भीतर, बांग्लादेश को पूरी तरह से अघोषित श्अधिकारियोंश के एक समूह द्वारा अपने स्वयं के बहुत ही संक्षिप्त इतिहास को फिर से लिखने– और यहां तक कि उसे गलत साबित करने– के लिए मजबूर किया गया है। ऐसा तो पूर्व जनरल इरशाद के कार्यकाल में भी नहीं हुआ था, जिन्होंने देश में आभासी सैन्य शासन का दौर चलाया था। विश्लेषकों को यह चिंताजनक लगता है कि बांग्लादेश के वर्तमान श्अधिकारीश जो संवैधानिक रूप से किसी के प्रति उत्तरदायी नहीं हैं, अपने घरेलू कट्टरपंथी इस्लामवादी लॉबी को खुश करने के लिए अपने समकालीन इतिहास के सुप्रलेखित स्थापित तथ्यों को विकृत करने या दबाने से पीछे नहीं हटे हैं। यह जमाती समर्थक ताकतों का वह वर्ग है जो हमेशा पाकिस्तान के करीब रहा है, जो बांग्लादेश में उभरने वाले एक सख्त, शरीयत–प्रधान व्यवस्था के सपने संजोये हुए है। अगर भारत में प्रभावशाली वर्ग इस बात से परेशान हैं, तो यह बहुत बुरा है– उन्हें नये बांग्लादेश से निपटना होगा। यही अब तक यूनुस और उनकी टीम द्वारा ढाका से निकलने वाला व्यापक संदेश है। सच्चाई कुछ अलग है, और अप्रिय भी। अपने क्षेत्रीय पड़ोसियों भारत, पाकिस्तान, और चीन – से सम्बंध के मामले में वर्तमान बांग्लादेश सरकार का रवैया दक्षिण एशिया के अन्य देशों नेपाल या श्रीलंका से बिल्कुल भिन्न है। 5 अगस्त 2024 को अवामी लीग विरोधी तख्तापलट के बाद भारत के लिए दरवाजे बंद करने में, कुछ पर्यवेक्षकों के अनुसार, बांग्लादेश पहले ही बहुत आगे निकल चुका है। ऐसा दृष्टिकोण तब भी बना हुआ है, जब ढाका ने भारत के साथ आर्थिकध्व्यापारिक संबंधों को फिर से परिभाषित करने के लिए आधिकारिक और अनौपचारिक रूप से शुरू किये गये पहले के प्रयासों को चुपचाप पलट दिया है। हाल ही में, बांग्लादेश ने भारत से चावल और सब्जियों जैसी आवश्यक वस्तुओं को थोक में खरीदना फिर से शुरू कर दिया है, लेकिन ऐसा तब हुआ जब पाकिस्तान या थाईलैंड जैसे देशों से सस्ती कीमतों पर ऐसी वस्तुओं को हासिल करने के उसके प्रयास सफल नहीं हुए। भारत के साथ हाल के कुछ सौदों में बांग्लादेश द्वारा बदनीयत और सरासर अशिष्टता का खुला प्रदर्शन, द्विपक्षीय संबंधों में संतुलन की कमी और सामान्य राजनयिक शिष्टाचार की अनुपस्थिति को दर्शाता है। आईएसआई को इसका निमंत्रण एक बड़े उकसावे और भारत सरकार के लिए जानबूझ कर अपमान के अलावा और कुछ नहीं समझा जा सकता है। वर्तमान अनिर्वाचित श्शासकोंश की असंवेदनशीलता इतनी है कि वे यह भी नहीं समझ पाते कि वे अपने ही स्वतंत्रता संग्राम का उपहास उड़ा रहे हैं और अपने ही बलिदानों और राजनीतिक संघर्षों को बदनाम कर रहे हैं। न ही आईएसआई का दौरा अपनी तरह का एकमात्र उदाहरण है। बांग्लादेश ने हाल ही में भारत के साथ अपने पहले के समझौते को अंतिम क्षण में रद्द कर दिया था, जिसमें न्यायिक कर्मचारियों और अधिकारियों के 50 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के लिए भेजना था। सभी द्विपक्षीय व्यापार और पारगमन समझौतों की समीक्षा करने और उन्हें रद्द करने की बांग्लादेश की लगातार धमकियां, जिनमें मौजूदा नदी जल बंटवारे का समझौता भी शामिल है, दिल्ली के खिलाफ एक और जानबूझ कर किया गया अपमान था।

अक्षय के साथ राजनीतिक विचारों के अंतर पर खुलकर बोलीं ट्विंकल खन्ना, कहा- वह मेरे पति नहीं, मेरा बच्चा..

अक्षय कुमार और उनकी पत्नी ट्विंकल खन्ना का नाम बॉलीवुड के सबसे पसंदीदा कपल्स में शामिल है, लेकिन इस जोड़ी के राजनीतिक विचारों के अंतर को लेकर अक्सर सवाल उठाए जाते हैं। अब, हाल ही में ट्विंकल ने अक्षय के साथ अपने राजनीतिक विचारों के अंतर पर खुलकर बात की और यह सब एक स्पेशल कॉलम में साझा किया। एक विशेष कॉलम में ट्विंकल खन्ना ने अक्षय कुमार के साथ अपने राजनीतिक विचारों के अंतर को लेकर लिखा– ''20 साल से इस तरह के सवालों से चिढ़ पैदा होने के बाद अब मैंने रिएक्ट करना सीख लिया है। मुझसे अक्सर मेरी और अक्षय की राजनीतिक सोच के बारे में सवाल किया जाता है। यह बिल्कुल ऐसा लगता है जैसे लोग समझते हैं कि वह मेरे पति नहीं, मेरे बच्चे हैं, जो मेरी हर बात मानेंगे। जैसे मैं कहूंगी, 'बेटा जी रोड की लेफ्ट साइड में चलो, तो आपको एक फ्रूटी दूंगी। ट्विंकल ने इस बात को भी स्पष्ट किया कि उन्हें यह सवाल बार–बार पूछा जाता है कि वह अक्षय कुमार की पत्नी होने के नाते खुद को कैसे महसूस करती हैं। वह कहती हैं, किसी भी इंटरव्यू में बैठते ही सबसे पहले पूछा जाता है, आप स्टार वाइफ हैं, तो आपको कैसा लगता है?' मुझे सबसे पहले यह ख्याल आता है कि रिपोर्ट की उंगली पर हमला कर दूं, लेकिन फिर मैं शांति से जवाब देती हूं कि मुझे बिल्कुल नहीं लगता कि स्टार वाइफ जैसी कोई चीज होती है। कुछ समय पहले, अक्षय कुमार ने भी अपने राजनीतिक विचारों के अंतर को स्वीकार किया था। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा था, मैं और मेरी पत्नी काफी अलग–अलग हैं। मैं दक्षिणपंथी विचारधारा रखता हूं, जबकि वह वामपंथी सोच रखती हैं। इस प्रकार, दोनों ने अपने विचारों के अंतर को पूरी तरह से स्वीकार किया है और यह भी बताया कि वे अपने मतभेदों को लेकर खुश हैं।

> एक विशेष कॉलम में ट्विंकल खन्ना ने अक्षय कुमार के साथ अपने राजनीतिक विचारों के अंतर को लेकर लिखा- ''२० साल से इस तरह के सवालों से चिढ़ पैदा होने के बाद अब मैंने रिएक्ट करना सीख लिया है। मुझसे अक्सर मेरी और अक्षय की राजनीतिक सोच के बारे में सवाल किया जाता है। यह बिल्कुल ऐसा लगता है जैसे लोग समझते हैं कि वह मेरे पति नहीं, मेरे बच्चे हैं, जो मेरी हर बात मानेंगे।

एक महिला की अपनी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा की दिलचस्प कहानी-मिसेज

क्या होता है जब बड़ी महत्वाकांक्षाओं वाली एक महिला की शादी ऐसे परिवार में हो जाती है जहाँ मेनू में सिर्फ खाना, घर का काम और नियंत्रण पुरुषों के पास होता है? जी5 ने अरति कदव द्वारा निर्देशित मिसेज को लॉन्च करने की घोषणा की है। यह फिल्म एक सशक्त और विचारोत्तेजक फिल्म है, जो महिलाओं के रोजमर्रा के संघर्षों को दर्शाती है और मनोरंजन से समझौता किए बिना लैंगिक असमानता, सामाजिक अपेक्षाओं और व्यक्तिगत विकास जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाती है। प्रतिभाशाली सान्या मल्होत्रा द्वारा निभाए गए मुख्य किरदार में, मिसेज एक युवा दुल्हन की कहानी है जो दिनभर घर के कामों में व्यस्त रहती है, जबकि उसकी नृत्य कलाकार बनने की महत्वाकांक्षाएँ धीरे–धीरे लुप्त होने लगती हैं। जियो स्टूडियो और बवेजा स्टूडियो के सहयोग से निर्मित, यह प्रभावशाली फिल्म पितृसत्तात्मक मानसिकता और एक महिला के अपने अस्तित्व को बचाए रखने के मौन संघर्ष को उजागर करती है। मिसेज का प्रीमियर 7 फरवरी को जी5 पर किया जाएगा। जैसा कि ट्रेलर में देखा गया है, मिसेज एक युवा महिला ऋचा (सान्या मल्होत्रा) की कहानी है, जिसकी नृत्य कलाकार बनने की सपने तब पीछे छूट जाते हैं, जब उसकी शादी एक पारंपरिक परिवार में होती है, जहाँ पितृसत्तात्मक सोच का बोलबाला है। अचानक, वह घर के अंतहीन कामों के बोझ से दब जाती है, जबकि उसके ससुराल वालों का यह मंत्र रसोई ही महिलाओं का क्षेत्र है उसके दिमाग में गूंजता रहता है। जैसे–जैसे वह इन भारी अपेक्षाओं से लड़ती है और अपने सपनों को टूटते हुए देखती है, उसके भीतर कुछ बदलने लगता है। सवाल उठता हैरू क्या ऋचा उस व्यवस्था को मानती रहेगी जो उसे केवल उत्पीड़न देता है, या वह एक साहसी कदम उठाएगी जो उसके परिवार और खुद उसे भी हैरान कर देगा? सवाल यह है क्या एक महिला अपने घर में ही क्रांति की शुरुआत कर सकती है? इसका जवाब जानने के लिए देखिए ष्मिसेजष केवल जी5 पर। मिसेज की निर्देशक आरती कदव ने कहा, मिसेज का निर्देशन करना मेरे लिए एक बेहद संतोषजनक अनुभव रहा। यह कहानी महिलाओं द्वारा रोजाना झेले जाने वाले संघर्षों पर आधारित है, लेकिन यह परंपराओं की बेड़ियों को तोड़कर अपनी सच्ची आवाज उठाने की भी बात करती है। इस कहानी को प्रस्तुत करने के अवसर ने मुझे पहचान, महत्वाकांक्षा और अपने सपनों को संजोए रखने के संघर्ष जैसे सार्वभौमिक विषयों का पता लगाने का मौका दिया है। मैं निर्माता हरमन बवेजा की आभारी हूँ, जिन्होंने मुझे इस कहानी के लिए चुना। जी5 के साथ इस फिल्म पर काम करना अद्भुत रहा, क्योंकि यह हमें इस सशक्त कहानी को वैश्विक दर्शकों तक पहुँचाने का मौका देता है। सान्या ने एक युवा, आशावादी दुल्हन के किरदार को इस तरह जीवंत किया है, जो चरित्र की खुशी, संवेदनशीलता और मजबूती को बखूबी दर्शाती है। इस कहानी को बताने के लिए इससे बेहतर प्रमुख कलाकार की मैं कल्पना भी नहीं कर सकती थी। सान्या मल्होत्रा ने कहा, जब मैंने मिसेज की स्क्रिप्ट पढ़ी, तो मैं इस जबरदस्त कहानी को जीवंत करने के लिए उत्साहित हो गईकृयह उन दैनिक संघर्षों का प्रतिबिंब है, जिनका सामना कई महिलाएं करती हैं, और अब समय आ गया है कि हम इस पर बात करें। मेरा किरदार शांत सहनशीलता की यात्रा है, जहाँ वह बर्तन धोने से लेकर फिर से बड़े सपने देखने की हिम्मत करती है। किसी ऐसे व्यक्ति के किरदार को निभाना, जो दिनचर्या से बाहर निकलने और अपनी आवाज उठाने की हिम्मत करता है, मेरे लिए एक संतोषजनक चुनौती रही है, और मुझे उम्मीद है कि दर्शक उनके इस परिवर्तन से प्रेरित महसूस करेंगे! निशांत दहिया ने साझा किया, ''मिसेज में ऋचा के पति का किरदार निभाना मेरे लिए चुनौतीपूर्ण और आंखें खोलने वाला अनुभव था। यह कहानी रोजमर्रा की जिंदगी और रिश्तों की सूक्ष्मता में गहराई से उतरती है, जो अक्सर अनकहे संघर्षों को उजागर करती है। साथ ही, यह रिश्तों की बारीकियों को खूबसूरती से प्रस्तुत करती है, जो इसे एक जुड़ावपूर्ण और दिल को छूने वाली कहानी बनाती है। सान्या मल्होत्रा और आरती कदव के साथ काम करना एक अद्भुत अनुभव रहा, और मुझे पूरी उम्मीद है कि दर्शक फिल्म की सच्ची और दिलचस्प कहानी से जुड़ाव महसूस करेंगे। मैं बेहद उत्साहित हूं कि हर कोई मिसेज को जी5 पर देखे और इस अनोखी यात्रा का हिस्सा बने।''

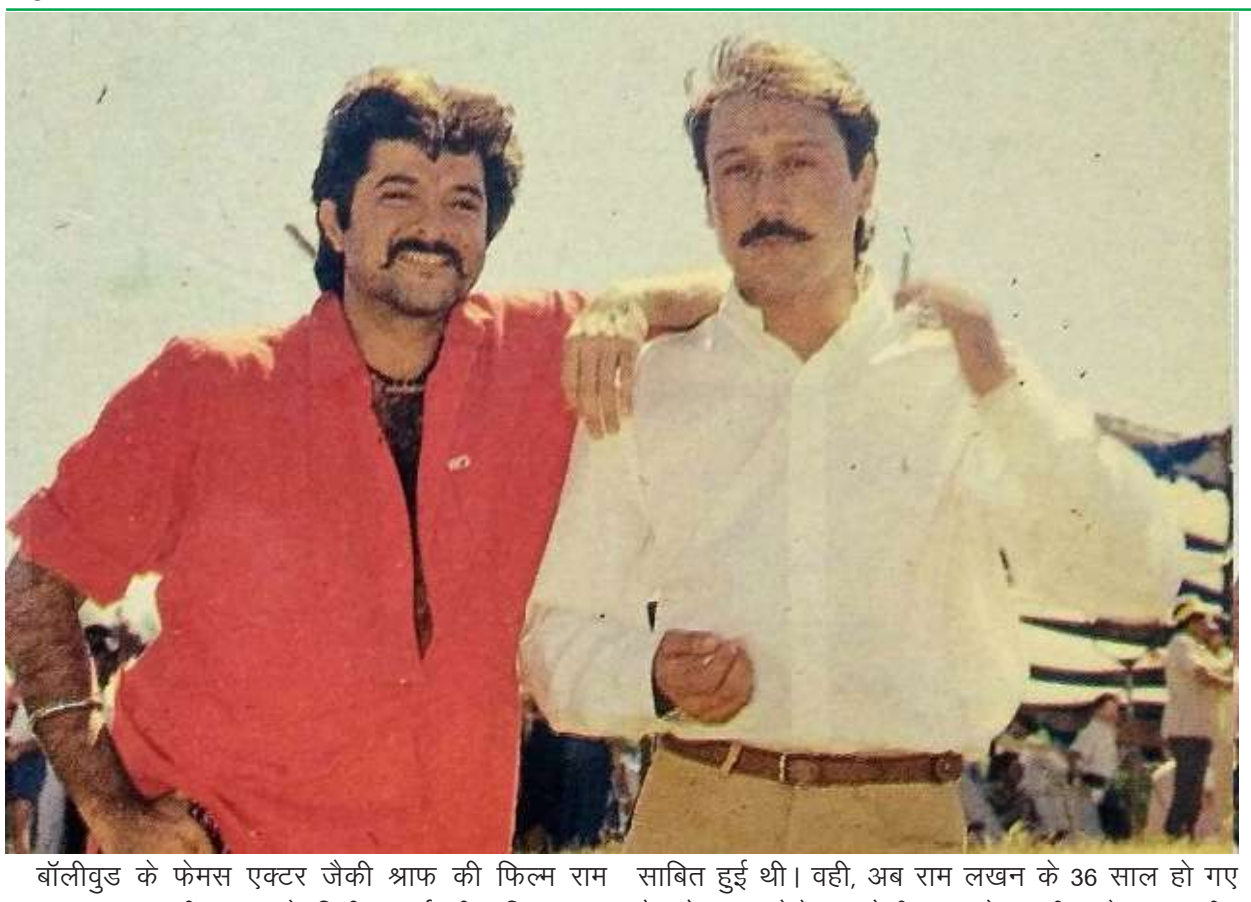

सुपरहिट फिल्म राम लखन के 36 साल पूरे होने पर बोले जैकी श्रशफ-सेट पर हमने जो रिश्ता बनाया, मैं हमेशा संजो कर रखूंगा

बॉलीवुड के फेमस एक्टर जैकी श्राफ की फिल्म राम लखन 27 जनवरी 1989 में रिलीज हुई थी। फिल्म का निर्देशन सुभाष घई ने किया था। यह फिल्म काफी सुपरहिट साबित हुई थी। वही, अब राम लखन के 36 साल हो गए हैं, और इस मौके पर जैकी श्राफ ने अपनी यादें ताजा की। जैकी श्राफ ने इस फिल्म को लेकर अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा, यह अविश्वसनीय है कि राम लखन को रिलीज हुए 36 साल हो गए हैं और यह अनुभव किसी शानदार यात्रा से कम नहीं था। सुभाष घई के साथ काम करना, अनिल कपूर, माधुरी दीक्षित, डिंपल कपाड़िया और बाकी स्टार कास्ट के साथ सेट पर समय बिताना मेरे लिए एक यादगार अनुभव रहा है। उन्होंने आगे कहा, फिल्म की शूटिंग के दौरान जो ऊर्जा और उत्साह था, वह बेजोड़ था। हर एक दिन सेट पर काम करना बहुत ही रोमांचक था। हम सब के बीच जो रिश्ता बना, उसे मैं हमेशा संजो कर रखूंगा और वह आज भी उतना ही मजबूत है। मुझे गर्व है कि फिल्म ने दर्शकों के दिलों में अपनी एक खास जगह बनाई है और यह सफलता अब भी कायम है।

शादी की 40वीं सालगिरह पर बोमन ईरानी पत्नी जेनोबिया पर लुटाया प्यार, खूबसूरत तस्वीरें शेयर कर लिखा- तुम एक प्यारे फरिश्ते हो

बॉलीवुड के सबसे चहेते और शानदार एक्टर्स में से एक बोमन ईरानी न केवल अपने शानदार अभिनय के लिए जाने जाते हैं, बल्कि ऑफ–स्क्रीन अपने प्यारे व्यक्तित्व के लिए भी जाने जाते हैं। यदि कोई ऐसा बंधन है जो सिनेमा में उनके सफर जितना ही खास है, तो वो है उनकी पत्नी जेनोबिया ईरानी के साथ उनका रिश्ता। आज, पत्नी जेनोबिया के साथ शादी के 40 साल पूरे होने पर एक ने एक खास पोस्ट शेयर किया है, जो खूब वायरल हो रहा है। अपनी 40वीं सालगिरह पर बोमन ईरानी ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर की, जो उनके रिश्ते के सार को बखूबी दर्शाती है। इसके साथ उन्होंने लिखा–तो यह मुझे परेशान करता है जब पूरी दुनिया सोचती है कि तुम एक प्यारे फरिश्ते हो। केवल मैं ही जानता हूँ कि तुम वास्तव में कितनी बड़ी मुसीबत हो सकती हो। 40 साल का अनुभव। हालाँकि... कौन एक परी से शादी करना चाहेगा??? मुझे पीठ में दर्द है जो खुद भी एक परी है। यही वो संयोजन है जिसने मुझे आकार दिया। हमें आकार दिया। परिवार को आकार दिया। हंसी–मजाक किया। नेविगेट किया। 40 साल साथ रहे, पुराने दोस्त। तुमसे प्यार करता हूँ. बोमन ने नोट के साथ, जेनोबिया के साथ कई प्यारी तस्वीरें पोस्ट कीं, जहाँ कपल खुशी से झूमता, मालाओं से सजे हुए और लाल दिल के आकार के गुब्बारे पकड़े हुए दिखाई दे रहे हैं, जिन पर लिखा है ''आई लव यू।

फराह खान के घर लंच पर पहुंची हिना खान, शेयर की कोरियोग्राफर संग बिताए क्वालिटी टाइम की खूबसूरत तस्वीरें

बॉलीवुड और टीवी इंडस्ट्री की पॉपुलर एक्ट्रेस हिना खान इन दिनों ब्रेस्ट कैंसर के इलाज से गुजर रही हैं। इतने दर्द और कष्ट के बीच भी वह अपनी जिंदगी का हर दिन खुलकर जी रही हैं। हाल ही में, हिना कोरियोग्राफर फराह खान से मिलने उनके घर पहुंची, जहां दोनों ने एक दूजे के साथ क्वालिटी वक्त बिताया। इस मुलाकात कुछ खूबसूरत

तस्वीरें हिना ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की हैं, जिन्हें फैंस खूब लाइक कर रहे हैं। फराह की मेहमाननवाजी ने हिना को पूरी तरह खुश कर दिया और दोनों के बीच यह मुलाकात बेहद खास रही। शेयर की गई तस्वीरों में देखा जा सकता है कि दोनों डायनिंग टेबल पर लंच का आनंद ले रही हैं। हिना ने इस मौके पर फराह के हाथों से बने यखनी पुलाव का स्वाद लिया, जिसकी उन्होंने कैप्शन में जमकर तारीफ की। हिना ने इस डिश को स्वादिष्ट बताते हुए लिखा कि यह लंच एक बेहतरीन अनुभव था। हिना खान ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट पर फराह खान को विशेष धन्यवाद देते हुए लिखा, ष्आपके साथ बहुत अच्छा टाइम स्पेंड किया। इसके लिए धन्यवाद। एक्ट्रेस के इस पोस्ट पर फिल्ममेकर ने ढेर सारा प्यार लुटाया। इन तस्वीरों में हिना ऑरेंज टॉप के साथ ब्राउन शेड की लॉन्ग स्कर्ट में बेहद ग्लैमरस और गॉर्जियस दिखीं। अपने इस लुक को उन्होंने ग्लोसी मेकअप, हाफ टाई बाल, गोल्डन ज्वेलरी और व्हाइट हील्स के साथ कंप्लीट किया। बता दें कि हिना खान इन दिनों ब्रेस्ट कैंसर से जूझ रही हैं, लेकिन इसके इलाज के बीच भी वह अपना काम जारी रखे हुए हैं। वह इलाज के बीच भी सक्रिय रूप से काम कर रही हैं और अपने फैंस को प्रेरित कर रही हैं। हिना को हाल ही में टीवी सीरीज 'गृह लक्ष्मी' में देखा गया, जहां उन्होंने अपनी एक्टिंग से सबका खूब दिल जीता।

रात को नहीं खानी चाहिए यें दालें, वरना सेहत को हो सकता है नुकसान

दालें हमारी सेहत के लिए बढ़िया मानी जाती है। लेकिन इन्हें दाल का सेवन करने का एक सही समय होना चाहिए। इस लेख में हम आपको बताने जा रहे हैं कि कुछ ऐसी दालों के बारें में जिन्हें रात को नहीं खाना चाहिए।

दालों का सेवन करने से सेहत बढ़िया रहती है। हेल्थ को दुरुस्त रखने के लिए दाल का सेवन करना सबसे बेहतरीन माना जाता हैं क्योंकि इसमें प्रोटीन पाया जाता है। गरमा–गरम दाल के साथ चावल या फुल्के खाने से मजा ही कुछ और होता है। दालों में भरपूर मात्रा में प्रोटीन, फाइबर, विटामिन बी, मैग्नीशियम, जिंक, पोटैशियम और ढेरों एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं। ऐसे में कोई भी मील हो, दाल को शामिल करने से वो भी ज्यादा हेल्दी बन जाती है। लेकिन कुछ भी दाल ऐसी भी हैं, जिन्हें रात के वक्त खाने से परेहज करना चाहिए वरना फायदे की जगह आपको नुकसान भी उठाना पड़ सकता है। चलिए आपको बताते हैं इन दालों के बारे में, जिन्हें रात को नहीं खाना चाहिए।

भूलकर भी रात को ना खाएं ये दालें

वैसे तो दालों का सेवन करना हमारी सेहत के लिए काफी फायदेमंद होती है। हालांकि, रात को कुछ दालों का सेवन नहीं करना चाहिए। रात को भूलकर भी उड़द की दाल, कुलथी की दाल, मटर की दाल, मसूर की दाल, चने की दाल और अरहर की दाल। इसके साथ ही छोले, राजमा और सफेद मटर भी रात के समय नहीं खाने चाहिए। क्योंकि ये सभी दालें पचाने में आसान नहीं होतीं। अगर आप रात में इनका सेवन करेंगे तो पेट में गैस, एसिडिटी, बदहजमी, पेट दर्द, ब्लोटिंग और पेट में भारीपन जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

इन बातों का रखें ध्यान

यदि आपके पेट में पहले से ही परेशानियां बनी रहती हैं, तो इन दालों और बींस को आपको रात को समय बिल्कुल नहीं खाना चाहिए। रात को खाने के लिए आप मूंग और मसूर की मिक्स दाल बना सकते हैं। यह आसानी से पच भी जाता है और पेट के लिए कोई भी समस्या पैदा नहीं होती। इसके अतिरिक्त आप दाल बनाते समय अदरक, हींग, लहसुन और हल्दी का इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे दाल पचाने में थोड़ी आसानी होती है। आयुर्वेद में बताया है कि दाल का सेवन केवल दोपहर में ही करें, क्योंकि दोपहर में दाल खाना अच्छा माना जाता है।

वैज्ञानिक और धार्मिक दृष्टिकोण : त्रिवेणी संगम के इस स्थल पर स्नान करने से होते है स्वास्थ्य लाभ

महाकुंभ मेला भारत का सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण धार्मिक आयोजन है, जो हर 12 साल में आयोजित होता है। इस बार महाकुंभ 2025 का आयोजन प्रयागराज में हो रहा है, जहां लाखों श्रद्धालु गंगा, यमुना और अब विलुप्त हो चुकी सरस्वती नदियों के संगम, यानी त्रिवेणी संगम पर पवित्र स्नान करने के लिए पहुंच रहे हैं। पवित्र स्नान से न केवल पापों का नाश होता है, बल्कि यह मोक्ष प्राप्ति का मार्ग भी खोलता है। इसके साथ ही, शास्त्रों के अनुसार, स्नान के बाद श्पंचक्रोशी परिक्रमाश का पालन करना भी अत्यधिक महत्व रखता है। माना जाता है कि इस परिक्रमा को करने से आत्मा की शुद्धि होती है और मोक्ष की प्राप्ति की संभावना बढ़ती है।

पंचक्रोशी परिक्रमा क्या है?

पंचक्रोशी परिक्रमा एक विशेष धार्मिक यात्रा है, जो प्रयागराज के चारों ओर लगभग 60 किलोमीटर के दायरे में होती है। इस यात्रा में श्रद्धालु तीन प्रमुख वेदियों (अंतरगृही, मध्यवेदी और बहिर्वेदी) के दर्शन करते हैं। यह यात्रा संगम घाटों, गंगा–यमुना के तटों, और शहर के अन्य पवित्र स्थलों से होकर गुजरती है। यात्रा के दौरान भक्तों को प्रमुख आश्रमों और तीर्थस्थलों के दर्शन भी होते हैं। यह परिक्रमा विशेष रूप से उन लोगों के लिए है, जो आध्यात्मिक शांति और मोक्ष की प्राप्ति चाहते हैं।

आध्यात्मिक शांति और शुद्धि

पंचक्रोशी परिक्रमा करने से भक्तों को गहरी आध्यात्मिक शांति और आत्मिक शुद्धि का अनुभव होता है। यह यात्रा व्यक्ति को अपने अंदर की नकारात्मकता और मानसिक अशांति से मुक्ति दिलाकर उसे आंतरिक संतुलन प्रदान करती है। इस प्रक्रिया में व्यक्ति अपनी आत्मा से जुड़ता है और एक सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ता है। माना जाता है कि यह परिक्रमा करने से शरीर, मन और आत्मा की सफाई होती है, जिससे व्यक्ति जीवन के हर पहलू में संतुलित और शांति से भरपूर महसूस करता है।

पांच बुराइयों से मुक्ति

पंचक्रोशी परिक्रमा की विशेषता यह है कि यह भक्तों को पांच प्रमुख बुराइयोंकृवासना, क्रोध, मोह, अभिमान और लोभकृसे मुक्त करने का कार्य करती है। इन बुराइयों पर विजय प्राप्त करने से व्यक्ति के मन से सभी नकारात्मक विचार दूर हो जाते हैं, जिससे उसकी सोच और जीवन की गुणवत्ता में सकारात्मक बदलाव आता है। इस परिक्रमा में हर कदम के साथ आत्मसाक्षात्कार होता है और ये बुराइयाँ धीरे–धीरे दूर होती जाती हैं। भक्त के मन में वासना, क्रोध और मोह जैसी नकारात्मक भावनाएं नहीं रहतीं, और वह जीवन को अधिक संयम और शांति से जीने लगता है।

समृद्धि और खुशहाली

पंचक्रोशी परिक्रमा से जीवन में समृद्धि और खुशहाली का आगमन होता है। यह परिक्रमा न केवल आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग खोलती है, बल्कि भौतिक सुखों का भी आशीर्वाद प्रदान करती है। माना जाता है कि इस यात्रा के बाद भक्तों की किस्मत बदल जाती है, और वे अधिक समृद्धि, सुख और संतुलन का अनुभव करते हैं। परिक्रमा से होने वाले पुण्य के फल से व्यक्ति के जीवन में हर प्रकार की कठिनाईयों का नाश होता है, और उसके प्रयासों में सफलता मिलती है। यह विशेष रूप से उन भक्तों के लिए फायदेमंद है जो मानसिक शांति, वैभव और सुख की खोज में हैं।

प्रमुख तीर्थस्थलों का दर्शन

पंचक्रोशी परिक्रमा के दौरान श्रद्धालु प्रयागराज के विभिन्न प्रमुख तीर्थस्थलों के दर्शन करते हैं। इन स्थलों में गंगा–यमुना के तट, संगम घाट और प्राचीन आश्रम शामिल होते हैं। इन स्थानों के दर्शन से भक्तों को एक दिव्य आशीर्वाद प्राप्त होता है, और उनकी आत्मा की शुद्धि होती है। यह तीर्थयात्रा भक्तों को उन पवित्र स्थानों से जोड़ती है, जो उनके जीवन को एक नई दिशा और ऊर्जा प्रदान करते हैं। इन स्थलों का दर्शन करने से उन्हें अपने जीवन में एक नया दृष्टिकोण मिलता है और वे अपने उद्देश्य के प्रति अधिक जागरूक होते हैं।

धार्मिक अनुष्ठान और तप

पंचक्रोशी परिक्रमा को धार्मिक तपस्या और अनुष्ठान का रूप माना जाता है। इस यात्रा को करने से व्यक्ति न केवल आध्यात्मिक रूप से उन्नति करता है, बल्कि अपने जीवन में पुण्य का संचय भी करता है। यह एक प्रकार की तपस्या है, जिससे भक्त अपने जीवन में धैर्य, संयम और आत्म–नियंत्रण को विकसित करता है। इस अनुष्ठान से व्यक्ति की आस्थाओं में दृढ़ता आती है और वह अपनी जीवन यात्रा को संतुलित और सकारात्मक रूप से आगे बढ़ाता है। यही तपस्या उसे कठिनाइयों का सामना करने की शक्ति देती है और उसे एक सशक्त, मानसिक रूप से मजबूत इंसान बनाती है।

सामूहिकता और भाईचारे का अनुभव

पंचक्रोशी परिक्रमा करते हुए भक्तों को अपने साथी श्रद्धालुओं के साथ यात्रा करने का मौका मिलता है, जिससे सामूहिकता और भाईचारे का अनुभव होता है। यह अनुभव न केवल आध्यात्मिक उन्नति का हिस्सा होता है, बल्कि समाज में एकजुटता और सहिष्णुता को बढ़ावा भी देता है। इस दौरान भक्तों को यह एहसास होता है कि हम सभी एक बड़े उद्देश्य के लिए यहां हैं, और एक दूसरे का सहयोग करते हुए हम अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। यह सामूहिकता से जुड़ी यात्रा हमें एक दूसरे के साथ शांति, प्यार और सौहार्द के रिश्ते स्थापित करने की प्रेरणा देती है।

समग्र जीवन में सकारात्मक बदलाव

पंचक्रोशी परिक्रमा का पालन करते हुए व्यक्ति के जीवन में एक समग्र बदलाव आता है। यह परिक्रमा जीवन के हर पहलू को प्रभावित करती है, चाहे वह मानसिक हो, शारीरिक हो या आध्यात्मिक। इस यात्रा से व्यक्ति के भीतर आत्मविश्वास और सच्चे मार्ग पर चलने की प्रेरणा मिलती है। इसके परिणामस्वरूप न केवल जीवन में शांति और संतुलन आता है, बल्कि किसी भी व्यक्ति के जीवन की दिशा और उद्देश्य भी स्पष्ट होते हैं

त्रिवेणी संगम के वैज्ञानिक और धार्मिक लाभ

धार्मिक दृष्टिकोण से महत्व

त्रिवेणी संगम का धार्मिक महत्व अत्यधिक है। यहां गंगा, यमुना और सरस्वती नदियों का संगम होता है, जिससे यह स्थान पवित्र माना जाता है। यहां स्नान करने से पापों का नाश और मोक्ष की प्राप्ति होती है, यह विश्वास हजारों वर्षों से लोगों के दिलों में बसा है। यह तीर्थ स्थल हर साल लाखों श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित करता है, जो यहां आकर पवित्र जल में स्नान करके आत्मिक शांति और पुण्य प्राप्त करते हैं।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण से महत्व

त्रिवेणी संगम का धार्मिक महत्व जितना गहरा है, उतना ही इसका वैज्ञानिक महत्व भी है। यह जल न केवल पवित्रता का प्रतीक है, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी माना जाता है। शोधों से पता चला है कि इस क्षेत्र का पानी विषैले तत्वों को बाहर निकालने की क्षमता रखता है।

विषैले तत्वों को निकालने की क्षमता

त्रिवेणी संगम का जल शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालने में मदद करता है। संगम का पानी शरीर के अंदर जमा होने वाले हानिकारक तत्वों को बाहर करता है, जिससे शरीर शुद्ध और स्वस्थ रहता है। यह विशेषता इसे प्राकृतिक रूप से एक शुद्धिकरण का माध्यम बनाती है, जो स्वस्थ रहने के लिए महत्वपूर्ण है।

माइक्रोबियल शुद्धता

त्रिवेणी संगम के जल में विशेष प्रकार के माइक्रोबियल गुण पाए जाते हैं। यह जल शरीर में मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया और विषाणुओं को समाप्त करने में सहायक होता है। गंगा और यमुना के संगम स्थल पर स्नान करने से शरीर की इन्फेक्शन रोधी क्षमता भी बढ़ती है, और यह जल शरीर को आंतरिक शुद्धता प्रदान करता है।

चुंबकीय ऊर्जा और रक्त संचार

संगम क्षेत्र में एक अद्भुत चुंबकीय ऊर्जा का संचार होता है, जो शरीर के रक्त संचार को बेहतर बनाने में मदद करता है। यह ऊर्जा शरीर के अंदर एक सकारात्मक प्रवाह पैदा करती है, जिससे रक्त का संचार सुचारु रूप से होता है। इससे न केवल शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार आता है, बल्कि मानसिक शांति और ऊर्जा भी मिलती है। यह चुंबकीय ऊर्जा शारीरिक बल और मानसिक स्थिति को संतुलित करने में सहायक होती है।

स्वास्थ्य पर प्रभाव

त्रिवेणी संगम का जल प्राकृतिक रूप से शुद्ध और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने वाला माना जाता है। यह जल शरीर में जमा विषाक्त तत्वों को बाहर निकालकर रोग प्रतिकारक क्षमता को मजबूत करता है। इसके अलावा, यह शरीर को ताजगी और ऊर्जा प्रदान करता है, जिससे दिनभर की थकावट दूर होती है। यह जल रक्त परिसंचरण, श्वसन प्रणाली और पाचन तंत्र को भी बेहतर बनाता है, जिससे शरीर की कुल कार्यक्षमता में वृद्धि होती है।

स्नान से मानसिक शांति

धार्मिक दृष्टिकोण के अलावा, त्रिवेणी संगम में स्नान करने से मानसिक शांति भी मिलती है। यह क्षेत्र एक प्राकृतिक ऊर्जा केंद्र है, जो मन को शांति और आत्मविश्वास प्रदान करता है। यहाँ स्नान करने से न केवल शारीरिक रूप से लाभ मिलता है, बल्कि मानसिक और आत्मिक शांति भी प्राप्त होती है। यह स्थान मानसिक तनाव और दबाव को दूर करता है, और श्रद्धालु को सुकून का अनुभव होता है।

समग्र जीवन में संतुलन

संगम के पानी से शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक शुद्धि प्राप्त होती है, जो जीवन में समग्र संतुलन लाती है। यह व्यक्ति को अपने जीवन के उद्देश्य को समझने में मदद करता है, साथ ही उसे नकारात्मक ऊर्जा से मुक्त करता है।

प्राकृतिक उपचार का माध्यम

त्रिवेणी संगम का जल प्राकृतिक उपचार की एक विधि के रूप में कार्य करता है। यह जल शरीर को पूरी तरह से पुनर्जीवित करता है, जिससे शरीर की नर्वस सिस्टम और कोशिकाओं को ताजगी मिलती है। इसके पानी में विशिष्ट खनिज और तत्व होते हैं जो शरीर को उपचारित करते हैं। यह जल उन व्यक्तियों के लिए एक उत्तम प्राकृतिक उपचार है जो किसी भी प्रकार के मानसिक और शारीरिक तनाव का सामना कर रहे हैं।

आध्यात्मिक और भौतिक ऊर्जा का संगम

त्रिवेणी संगम का जल एक ऊर्जा स्रोत के रूप में कार्य करता है। यह जल न केवल आंतरिक शांति प्रदान करता है, बल्कि बाहरी ऊर्जा को भी बढ़ावा देता है। इसका प्रभाव व्यक्ति के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर सकारात्मक रूप से पड़ता है। यह जीवन में नई उमंग, साहस और बल को जन्म देता है, जिससे श्रद्धालु अपने जीवन में सही दिशा में प्रगति कर सकते हैं।

महाकुंभ 2025: महत्व और सुरक्षा इंतजाम

महाकुंभ 2025 का आयोजन इस बार विशेष रूप से शुभ माना जा रहा है, क्योंकि इस बार 144 साल के दुर्लभ ग्रह संयोग के बाद कुंभ मेला हो रहा है। इसे अत्यधिक धार्मिक महत्व और आस्था से जोड़ा जाता है। इस बार महाकुंभ में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। उत्तर प्रदेश पुलिस ने स्थानीय पुलिस और अर्धसैनिक बलों सहित 10,000 से अधिक कर्मियों को सुरक्षा में तैनात किया है।

आखिरी शाही स्नान तिथिया

महाकुंभ 2025 के अंतर्गत प्रमुख शाही स्नान की तिथियां निम्नलिखित हैं

29 जनवरी (मौनी अमावस्या – दूसरा शाही स्नान)

3 फरवरी (बसंत पंचमी – तीसरा शाही स्नान)

12 फरवरी (माघी पूर्णिमा)

26 फरवरी (महा शिवरात्रि)

इन तिथियों पर लाखों श्रद्धालु गंगा–यमुना के संगम में पवित्र स्नान करेंगे, और अपनी आध्यात्मिक यात्रा को और भी पवित्र बना पाएंगे।

महाकुंभ मेला केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि यह आत्मिक शांति और मोक्ष की प्राप्ति का माध्यम है। श्पंचक्रोशी परिक्रमाश के द्वारा भक्त न केवल अपने पापों से मुक्त होते हैं, बल्कि आध्यात्मिक दृष्टिकोण से उन्नति भी करते हैं। इस यात्रा के माध्यम से हर भक्त को जीवन का सही मार्ग और शांति प्राप्त होती है।

तरक्की और समृद्धि के लिए घर में अपनाये ये 5 आसान टेंजन उपाय

समृद्धि, शांति और तरक्की पाने के लिए हमें न केवल मेहनत और सही फैसले लेने की जरूरत होती है, बल्कि हमारे आसपास का माहौल भी बहुत महत्वपूर्ण होता है। वास्तु शास्त्र और शुभ चिन्हों का पालन करने से हम अपने जीवन में पॉजिटिव एक्टिविटी को आकर्षित कर सकते हैं। इस लेख में हम उन पांच महत्वपूर्ण चीजों के बारे में जानेंगे, जिन्हें अपने घर में रखने से समृद्धि, सुख–शांति और सफलता मिलती है।

मुख्य दरवाजे पर स्वास्तिक लगाना

स्वास्तिक हिंदू धर्म में एक पवित्र और शुभ चिन्ह है। यह एक प्रतीक है जो पॉजिटिविटी, समृद्धि और शांति का संचार करता है। इसे घर के मुख्य दरवाजे पर लगाने से घर में नेगेटिव एनर्जी का प्रवेश नहीं होता और पॉजिटिव एनर्जी का संचार होता है। स्वास्तिक लगाने के फायदे भी है जैसे घर में सुख–शांति बनी रहती है। नेगेटिव एनर्जी घर से दूर रहती है। घर में पॉजिटिव वातावरण होता है, जो मानसिक शांति प्रदान करता है। यह प्रतीक समृद्धि और धन के आगमन का भी संकेत है। कैसे लगाएं स्वास्तिक? स्वास्तिक को मुख्य दरवाजे के बाहर दाएं हाथ की ओर लगाना चाहिए। इसे सही तरीके से साफ और ध्यानपूर्वक बनाना चाहिए ताकि इसका प्रभाव सही तरीके से पड़े।

लॉकर में पीली सरसों रखना

वास्तु शास्त्र में पीली सरसों को एक शक्तिशाली और शुभ वस्तु माना जाता है। इसे धन और समृद्धि की देवी लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है। घर के लॉकर या पैसे रखने वाली जगह पर पीली सरसों रखने से धन की वर्षा होती है और आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। यह घर में धन और समृद्धि का संचार करता है। पीली सरसों लक्ष्मी माता को प्रसन्न करने का एक सरल उपाय है। घर में पैसा टिकता है और धन की कमी नहीं होती। कैसे रखें पीली सरसों? लॉकर या धन रखने वाली जगह पर एक छोटे से कपड़े में पीली सरसों के बीज रखें। इसे नियमित रूप से बदलते रहें, खासकर दीवाली जैसे शुभ अवसरों पर।

एंडलेस नॉट का उपयोग

एंडलेस नॉट, जिसे अनंत गाँठ या निरंतरता की गाँठ भी कहा जाता है, यह एक पुराना तिब्बती प्रतीक है जो जीवन में निरंतरता और बिना रुके हुए सफलता की ओर मार्गदर्शन करता है। यह प्रतीक जीवन में स्थिरता और निरंतर वृद्धि का प्रतीक है। यह घर में समृद्धि, शांति और सफलता को बनाए रखने में मदद करता है। यह घर के वातावरण में संतुलन बनाए रखता है। कैसे लगाएं एंडलेस नॉट? एंडलेस नॉट को उत्तर और दक्षिण दिशा में लगाना सबसे फायदेमंद माना जाता है। आप इसे दीवार पर एक चित्र के रूप में या धातु की वस्तु के रूप में लगा सकते हैं।

यूनिकॉर्न हॉर्सेस

यूनिकॉर्न को एक पवित्र और शुभ प्राणी माना जाता है। यह एक प्रकार की कल्पनाशील घोड़ी होती है, जिसे शुभ, समृद्धि और सफलता का प्रतीक माना जाता है। इसे घर में रखने से आपके घर में शांति और समृद्धि का वास होता है। यह घर में पॉजिटिव एनर्जी का संचार करता है। यह खुशी, सफलता और सौभाग्य भी लाता है। यूनिकॉर्न का चमत्कारी प्रभाव परिवार में शांति और समझदारी लाता है। कैसे रखें यूनिकॉर्न हॉर्सेस? यूनिकॉर्न की छोटी मूर्तियां या चित्र को घर के प्रमुख स्थानों पर रखें, जैसे कि लिविंग रूम, डाइनिंग एरिया या कामकाजी स्थान पर। इसे सुंदरता और पॉजिटिव एनेर्जी को आकर्षित करने के लिए सही दिशा में रखें।

उत्तर दिशा में स्पॉटलाइट लगाना

वास्तु शास्त्र के अनुसार उत्तर दिशा को समृद्धि और धन की दिशा माना जाता है। अगर इस दिशा में स्पॉटलाइट या अन्य प्रकार की रोशनी का प्रयोग किया जाता है, तो यह धन और समृद्धि की दिशा में एक पॉजिटिव प्रवाह को बढ़ावा देता है। यह उत्तर दिशा में पॉजिटिव एनर्जी का संचार करता है। यह मानसिक शांति और आत्मविश्वास को बढ़ाता है। कैसे लगाएं स्पॉटलाइट? उत्तर दिशा में स्पॉटलाइट या हल्की रोशनी का प्रयोग करें। इसे घर के इस स्थान पर लगाकर रोशनी का ध्यान केंद्रित करें।

संक्षिप्त

बैंकों, एनबीएफसी के दंडात्मक शुल्क पर कोई जीएसटी नहीं : सीबीआईसी

नयी दिल्ली, एजेंसी। सीबीआईसी ने कहा है कि बैंकों और गैर–बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के दंडात्मक शुल्क लगाने पर माल और सेवा कर (जीएसटी) लागू नहीं होगा। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने एक परिपत्र के जरिये यह भी साफ किया कि ऑनलाइन मंच पर भुगतान एग्रिगेटर्स की मदद से 2,000 रुपये तक के लेनदेन पर जीएसटी नहीं लगाया जाएगा। बैंकों और एनबीएफसी के दंडात्मक शुल्क लगाने पर जीएसटी लागू होने के मुद्दे को स्पष्ट करते हुए सीबीआईसी ने कहा कि आरबीआई जिन संस्थाओं को विनियमित करता है। उनके दंडात्मक शुल्क अनुबंध की शर्तों का उल्लंघन करने पर लगाए जाते हैं, और इसलिए उन पर जीएसटी लागू नहीं होगा। सीबीआईसी ने कहा, ''55वीं जीएसटी परिषद की सिफारिश के अनुसार, यह स्पष्ट किया जाता है कि कर्जदार के ऋण अनुबंध की भौतिक शर्तों का अनुपालन न करने पर विनियमित संस्थाओं द्वारा लगाए गए दंडात्मक शुल्क पर कोई जीएसटी देय नहीं है।'' एएमआरजी एंड एसोसिएट्स के वरिष्ठ भागीदार रजत मोहन ने कहा कि यह स्पष्टीकरण महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे व्याख्या संबंधी विवादों का निपटारा होगा।

चीन के लिए सीधी उड़ानें फिर शुरू करने पर अधिक स्पष्टता का इंतजार : इंडिगो

नयी दिल्ली, एजेंसी। इंडिगो ने कहा कि वह चीन के लिए सीधी उड़ान सेवाएं फिर शुरू करने पर सरकार से अधिक स्पष्टता और जानकारी का इंतजार कर रही है। एयरलाइन पूर्व में चीन के लिए उड़ानों का परिचालन करती थी। भारत और चीन ने सोमवार को संबंधों के 'पुनर्निर्माण' के लिए कई उपायों की घोषणा की, जिसमें सीधी उड़ानें बहाल करने पर सैद्धांतिक रूप से सहमत होना शामिल है। दोनों देशों के बीच 2020 की शुरुआत तक सीधी उड़ानें चालू थीं, जिन्हें कोरोना वायरस के चलते आई महामारी के बाद निलंबित कर दिया गया। इंडिगो ने मंगलवार को बयान में कहा, ''भारत और चीन के बीच सीधी उड़ानें फिर से शुरू करने पर, हम मंत्रालय से और स्पष्टता और जानकारी का इंतजार कर रहे हैं।'' इंडिगो ने दिल्ली से चेंगदू के लिए छह फरवरी, 2020 तक और कोलकाता से ग्वांगझू के लिए एक फरवरी, 2020 तक दैनिक उड़ानें संचालित की थीं।

रुपया शुरुआती कारोबार में चार पैसे की गिरावट के साथ 86.61 प्रति डॉलर

विदेशी पूंजी की सतत निकासी, तेल आयातकों की ओर से डॉलर की निरंतर मांग तथा कमजोर जोखिम क्षमता के कारण रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में चार पैसे कमजोर होकर 86.61 प्रति डॉलर पर आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 86.58 पर खुला और फिर फिसलकर 86.61 प्रति डॉलर पर आ गया, जो पिछले बंद भाव से चार पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया मंगलवार को 26 पैसे कमजोर होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.57 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 प्रतिशत की गिरावट के साथ 107.83 पर रहा। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.15 प्रतिशत फिसलकर 77.37 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) मंगलवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 4,920.69 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

सेबी ने रेलिगेयर में बहुलांश हिस्सेदारी लेने के लिए अमेरिकी इकाई की खुली पेशकश को खारिज किया

नयी दिल्ली, एजेंसी। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने रेलिगेयर एंटरप्राइजेज लिमिटेड (आरईएल) के अधिग्रहण के लिए अमेरिकी इकाई डैनी गायकवाड़ डेवलपमेंट्स एंड इन्वेस्टमेंट्स की प्रतिस्पर्धी खुली पेशकश को खारिज कर दिया। सेबी ने कहा कि यह पेशकश जरूरी नियमों को पूरा नहीं करती है। डैनी गायकवाड़ डेवलपमेंट्स एंड इन्वेस्टमेंट्स ने आरईएल के लिए बर्मन परिवार द्वारा प्रवर्तित इकाइयों की पेशकश से अधिक कीमत पर वित्तीय सेवा फर्म में 26 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने का प्रस्ताव दिया था। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की चेयरपर्सन को लिखे पत्र में डैनी

गायकवाड़ डेवलपमेंट्स एंड इन्वेस्टमेंट्स ने अनुरोध किया था कि उसे प्रतिस्पर्धी खुली पेशकश करने की अनुमति दी जाए। सेबी ने कहा कि दिग्विजय लक्ष्मणसिंह गायकवाड़ के पत्रों को वापस किया जा रहा है, क्योंकि यह सेबी (एसएएसटी) विनियम, 2011 के विनियम के अनुरूप नहीं है। इस बीच, बर्मन समूह ने बयान में कहा था कि गायकवाड़ ने कोई प्रतिस्पर्धी खुली पेशकश नहीं की है और समूह अपनी खुली पेशकश के साथ आगे बढ़ रहा है तथा उसे इसके सफल समापन का 'भरोसा' है। दिग्विजय लक्ष्मणसिंह गायकवाड़ ने आरईएल के लिए 235 रुपये प्रति शेयर की खुली पेशकश के मुकाबले 17 प्रतिशत अधिक 275 रुपये प्रति शेयर की कीमत देने की पेशकश की थी।

टेस्ट में 10000 रन पूरे करने वाले चौथे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बने स्टीव स्मिथ, विशेष सूची में शामिल

गाल, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज और स्टैंड इन कप्तान स्टीव स्मिथ ने श्रीलंका के खिलाफ गाल में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के दौरान टेस्ट क्रिकेट में 10000 रन पूरे कर लिए हैं। वह टेस्ट में 10000 रन पूरे करने वाले चौथे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बन गए हैं। स्मिथ दूसरे ऐसे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज हैं जिन्होंने सबसे तेजी से यह उपलब्धि हासिल की है। स्मिथ के ऐसा करते ही मैदान पर दर्शकों और श्रीलंकाई टीम के खिलाड़ियों ने ताली बजाकर उनका अभिवादन किया।

यह उपलब्धि हासिल करने वाले दुनिया के 15वें बल्लेबाज

35 वर्षीय स्मिथ टेस्ट में 10000 रन पूरे करने के मामले में सचिन तेंदुलकर, रिकी पोंटिंग और ब्रायन लारा जैसे दिग्गजों की सूची में शामिल हो गए हैं। स्मिथ टेस्ट इतिहास में 10000 रन पूरे करने वाले दुनिया के 15वें बल्लेबाज हैं। उनसे पहले एलन बॉर्डर, स्टीव वॉ और पोंटिंग ऑस्ट्रेलिया के ऐसे बल्लेबाज हैं जो इस उपलब्धि पर पहुंचे हैं। स्मिथ ने यह मुकाम 115 टेस्ट और 205 पारियों में हासिल किया है। ब्रायन लारा, सचिन और कुमार संगकारा ने 195 पारियों में टेस्ट में 10000 रन पूरे किए थे।

सबसे ज्यादा टेस्ट शतक लगाने वाले दूसरे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज

स्मिथ के टेस्ट का सफर 2010 में पाकिस्तान के खिलाफ शुरू हुआ था। उनका डेब्यू यादगार नहीं रहा था और उन्होंने दोनों पारियां मिलाकर 13 रन बनाए थे। हालांकि, समय बितने के साथ ही वह ऑस्ट्रेलिया के सफल बल्लेबाजों में शामिल हुए और मध्य क्रम में टीम के मजबूत बल्लेबाज के तौर पर उभरे। उनके नाम टेस्ट प्रारूप में 34 शतक हैं और वह सबसे ज्यादा टेस्ट शतक लगाने वाले ऑस्ट्रेलिया के दूसरे बल्लेबाज हैं। उनसे ज्यादा शतक सिर्फ रिकी पोंटिंग ने लगाए हैं जिनके नाम टेस्ट में 41 शतक हैं।

कमिंस की अनुपस्थिति में संभाल रहे कमान

स्मिथ श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में पैट कमिंस की अनुपस्थिति में टीम की कमान संभाल रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया ने हाल ही में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में भारत को हराया था और विश्व टेस्ट चौंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल से पहले उसकी कोशिश श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में प्रभावित करने की होगी। ऑस्ट्रेलिया का जून में डब्ल्यूटीसी फाइनल में सामना दक्षिण अफ्रीका से होगा।

भारत की हार के बाद वरुण चक्रवर्ती ने पिच को दिया दोष, बोले – दूसरी पारी में धीमी थी पिच

राजकोट, एजेंसी। भारतीय टीम के स्पिनर वरुण चक्रवर्ती की शानदार गेंदबाजी के बावजूद भारत को इंग्लैंड के खिलाफ राजकोट में खेले गए तीसरे टी20 मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। वरुण का मानना है कि दूसरी पारी में राजकोट की पिच धीमी हो गई थी। माना जा रहा था कि मैच में हाई स्कोर देखने मिलेगा, लेकिन दोनों ही टीमों की बल्लेबाज अच्छी नहीं रही थी।

इंग्लैंड के लिए राशिद ने किया बेहतर प्रदर्शन

इंग्लैंड ने हालांकि भारत के मुकाबले अच्छा प्रदर्शन किया। एक समय टीम का स्कोर आठ विकेट पर 127 रन था और उसने 20 ओवर में नौ विकेट पर 171 रन बनाए। भारतीय टीम लक्ष्य हासिल करने में असफल रही और 26 रन पीछे रह गई। इंग्लैंड के लेग स्पिनर आदिल राशिद ने मध्य ओवरों में शानदार प्रदर्शन किया जिसने अंत में अंतर पैदा किया। वरुण ने कहा, मेरे ख्याल से ओस ने चीजें बदल दीं, लेकिन पिच काफी धीमी थी जिससे इंग्लैंड को फायदा हुआ। आप देखें कि पहली पारी में पिच ज्यादा धीमी नहीं थी जिसका उन्हें फायदा हुआ। जाहिर है कि आदिल राशिद लीजेंड हैं और उन्हें पता है कि किस तरह गेंदबाजी करनी है। उनका अपनी गति पर नियंत्रण है। मैं किसी चीज की शिकायत नहीं कर रहा क्योंकि यह खेल की प्रकृति है। कई बार ऐसा हुआ है कि मैंने पांच विकेट नहीं लिए हैं और हमें हार का सामना करना पड़ा है। मालूम हो कि यह दूसरी बार है जब वरुण ने टी20 मैच में पांच विकेट लिए हैं और टीम को हार का सामना करना पड़ा है। वरुण ने कहा, मेरा काम सिर्फ यह है कि मैं जो कर रहा हूं उस पर ध्यान केंद्रित करूं। मैं टीम के लिए किस तरह प्रदर्शन कर रहा हूं बस यही मेरे नियंत्रण में है।

वरुण ने किया बिश्नोई का समर्थन

वरुण ने साथ ही लेग स्पिनर रवि बिश्नोई का बचाव किया जिन्होंने चार ओवर में 46 रन लुटाए। वरुण ने कहा, बिश्नोई शीर्ष स्तर के गेंदबाज हैं। पिछले मैच में मैंने 38 रन दिए थे। इसलिए यह बस एक मैच की बात है और कोई भी महंगा साबित हो सकता है। किसी को भी एक मैच से नहीं जज किया जाना चाहिए। मैं लिखकर दे सकता हूं कि वह अगले मैच में वापसी करेंगे।

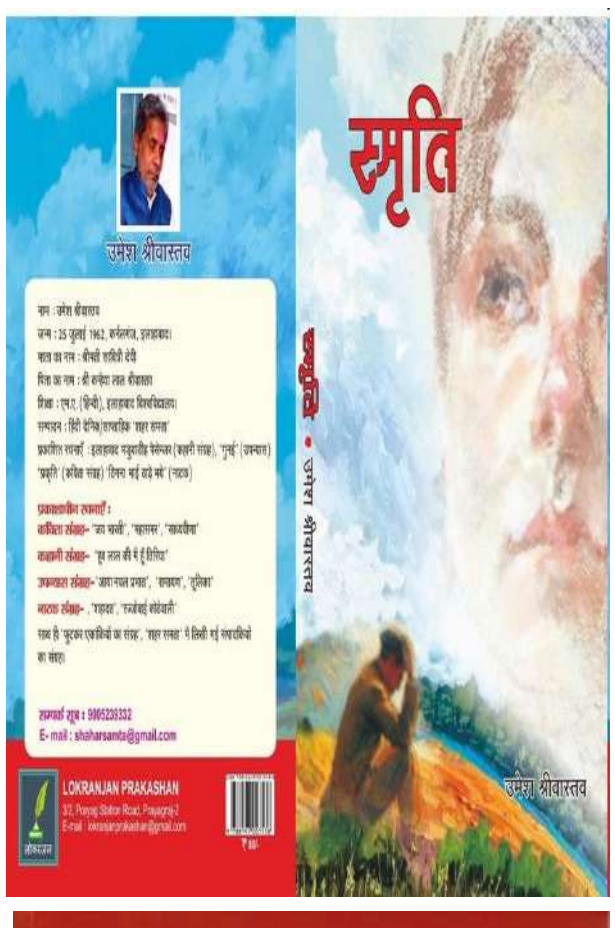

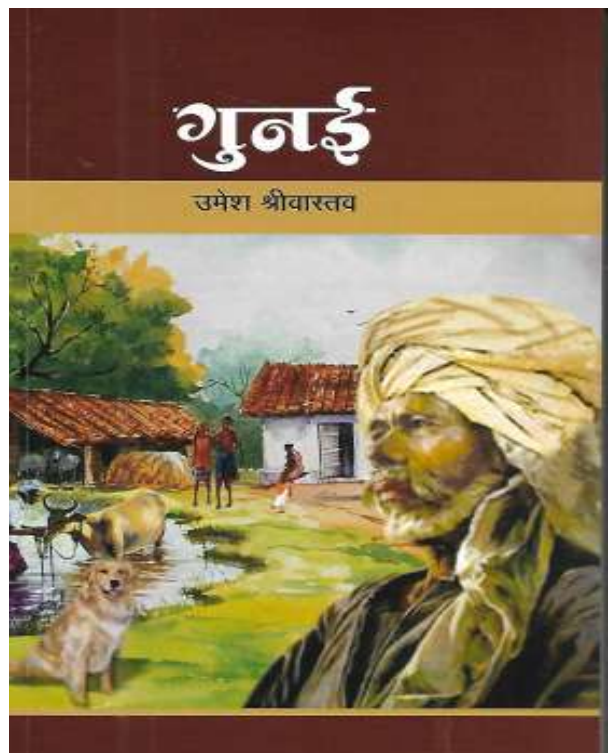

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

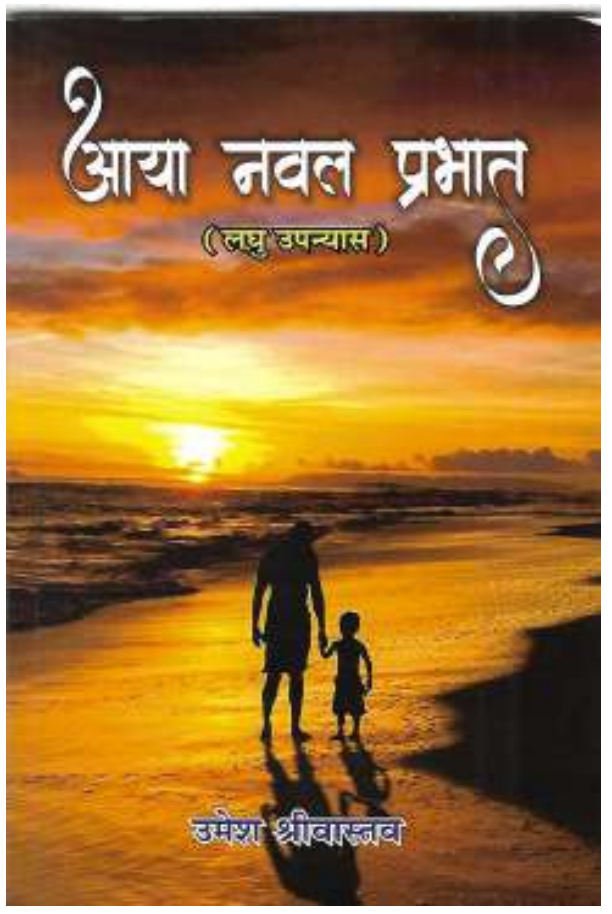

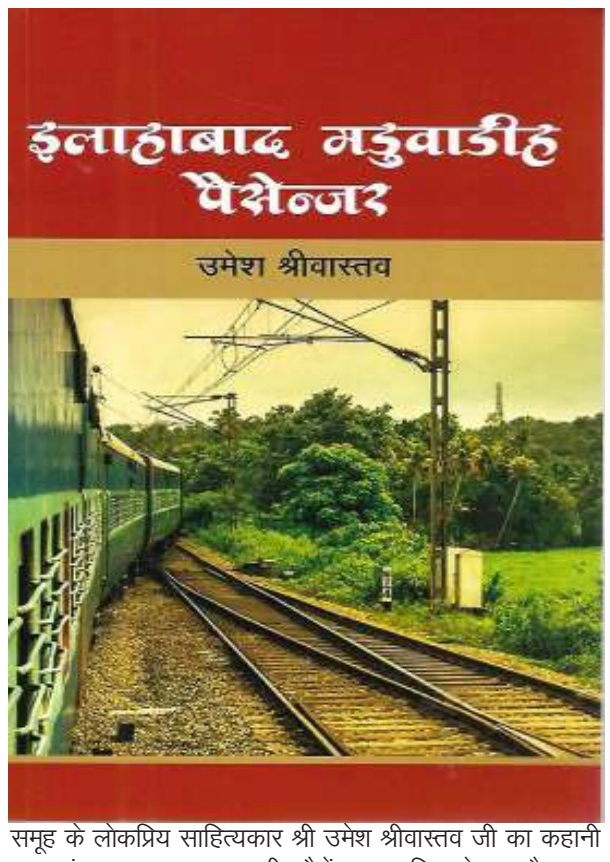

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

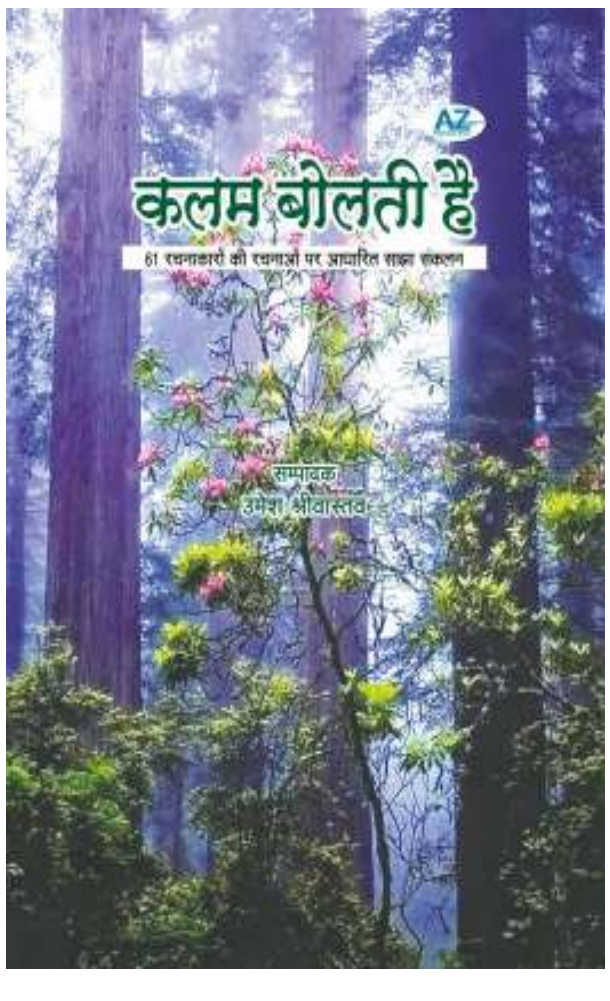

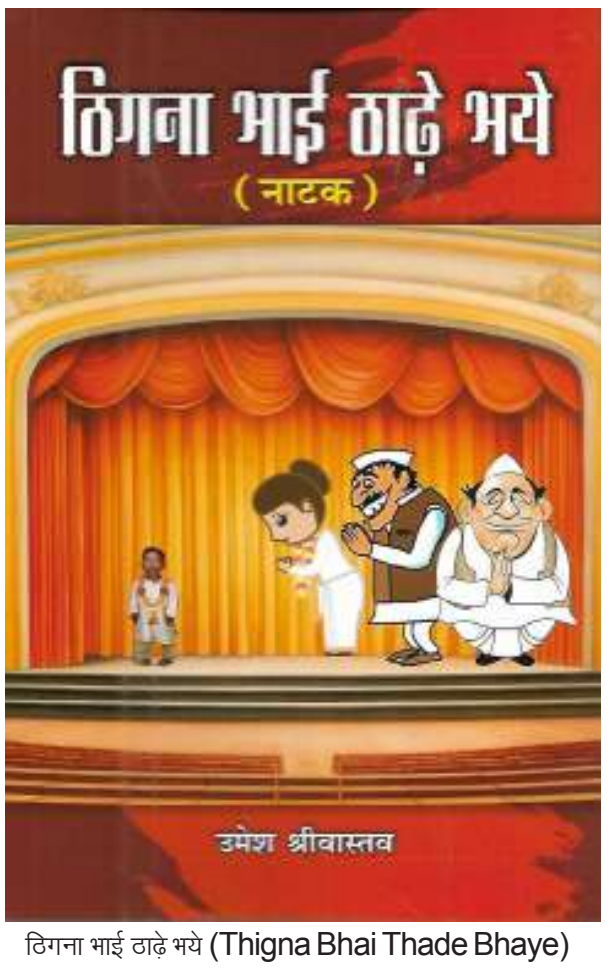

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

सीरिया में सामूहिक कब्रों का पता चला, कम से कम 26 लोगों के शव बरामद

दमिश्क, एजेंसी। सीरिया में नागरिक सुरक्षा कार्यकर्ताओं ने दमिश्क के ग्रामीण क्षेत्र में दो अलग–अलग तहखानों से 26 से अधिक लोगों के जले हुए शव बरामद किए। ये शव पूर्व राष्ट्रपति बशर अल–असद की सरकार के कथित अत्याचारों के पीड़ित लोगों के माने जा रहे हैं। इन सामूहिक कब्रों का पता चलना दिसंबर में असद सरकार के पतन के बाद से उजागर हो रही सामूहिक कब्रों की बढ़ती संख्या में इजाफा है। ऐसा माना जा रहा है कि शवों में पुरुष, महिलाएं और बच्चे शामिल हैं, तथा उन पर गोली लगने और जलने के निशान हैं। सीरिया के स्वयंसेवी नागरिक सुरक्षा समूह

व्हाइट हेलमेट्स के सदस्य ने सबनेह कस्बे में दो संपत्तियों के तहखानों से इन टूटे–फूटे, जले हुए कंकालों को बाहर निकाला। सुरक्षा सूट पहने इन कार्यकर्ताओं ने हर शव को चिह्नित किया और कोडिंग के बाद शवों को बैग में डालकर, ट्रकों के माध्यम से फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया। व्हाइट हेलमेट्स के बचावकर्मी अबेद अल–रहमान मव्वास ने समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस (एपी) को बताया कि 28 नवंबर के बाद से संगठन ने 780 से अधिक शवों का पता लगाया है। इनमें से ज्यादातर की पहचान अज्ञात है। कुछ शव उथली कब्रों में थे, जिन्हें स्थानीय लोगों ने या जानवरों ने खोदकर उजागर किया। शवों को फॉरेंसिक विशेषज्ञों के पास भेजा गया है ताकि उनकी पहचान, मृत्यु का समय और कारण निर्धारित किया जा सके और शवों को उनके परिवारों को सौंपा जा सके। स्थानीय निवासी मोहम्मद अल–हेराफे ने बताया कि 2016 में जब वह अपने परिवार के साथ वापस आए, तब घर में सड़ते शवों की दुर्गंध भरी हुई थी। उन्हें तहखाने में शव मिले, लेकिन उन्होंने सरकार से डरकर इसकी सूचना नहीं दी। उन्होंने कहा, ''हम जानते थे कि यह सरकार का ही किया हुआ था, इसलिए कुछ नहीं कह सके।'' असद सरकार पर यह आरोप लगते रहे हैं कि उसने हवाई हमले, यातनाएं, फांसी और सामूहिक गिरफ्तारियां कर अपने शासन को बनाए रखा और विरोधियों का बलपूर्वक दमन किया। एक अन्य तहखाने से शव निकालने वाले अम्मार अल–सलमो ने कहा कि शवों की पहचान के लिए विस्तृत जांच की जरुरत होगी। स्थानीय निवासी मोहम्मद शिबत ने बताया कि उन्होंने 2012 में अपना इलाका छोड़ा और 2020 में लौटे, तब उन्हें तथा उनके पड़ोसियों ने शवों की जानकारी दी, लेकिन किसी ने कार्रवाई नहीं की। संयुक्त राष्ट्र सीरिया जांच आयोग की सोमवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया कि सामूहिक कब्रों के फॉरेंसिक विश्लेषण से लापता लोगों की सच्चाई सामने आ सकती है। रिपोर्ट में 2000 से अधिक गवाहों और 550 से अधिक यातना पीड़ितों की गवाही के आधार पर बताया गया कि कैसे असद शासन के दौरान जेलों में कैदियों को बिजली के झटके, जलाने, नाखून उखाड़ने, बलात्कार, यौन हिंसा, मानसिक और शारीरिक यातनाओं से मारा जाता था। असद सरकार के आठ दिसंबर को पतन के बाद, सैकड़ों परिवार अपने प्रियजनों को ढूंढने के लिए जेलों और मुर्दाघरों में भटक रहे हैं। हालांकि, कई लोग वर्षों बाद रिहा हुए, लेकिन हजारों अब भी लापता हैं।

संक्षिप्त

जयशंकर ने अबू धाबी के शहजादे से की मुलाकात, द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने के तरीकों पर हुई चर्चा

अबू धाबी, एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अबू धाबी के शहजादे शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से मुलाकात की और दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को और बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। जयशंकर तीन दिवसीय यात्रा पर सोमवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) पहुंचे। जयशंकर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, '' अबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से

मिलकर प्रसन्नता हुई। उनकी हाल की भारत यात्रा को याद किया और साझेदारी को आगे बढ़ाने पर चर्चा की।'' सरकारी समाचार एजेंसी 'डब्ल्यूएएम' की एक खबर के अनुसार बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने संयुक्त अरब अमीरात और भारत के बीच मैत्री और सहयोग पर चर्चा की तथा दोनों देशों और उनके लोगों के साझा हितों की पूर्ति के लिए इन्हें और बढ़ाने तथा विकसित करने के तरीकों पर विचार–विमर्श किया। जयशंकर ने यूएई के राष्ट्रपति के राजनयिक सलाहकार अनवर गार्गश से भी मुलाकात की और दोनों देशों के बीच विशेष साझेदारी पर चर्चा की। उन्होंने 'रायसीना मिडिल ईस्ट' कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य भाषण भी दिया। विदेश मंत्रालय ने उनकी यात्रा से पहले एक बयान में कहा, ''यह यात्रा दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने और भारत–यूएई संबंधों को नयी गति देने का अवसर प्रदान करेगी।

इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी के खिलाफ लीबियाई व्यक्ति को वापस भेजने के मामले में जांच प्रारंभ

मिलान, एजेंसी। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी और दो सरकारी मंत्रियों के खिलाफ रोम के अभियोजकों ने हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय द्वारा वांछित लीबिया के एक व्यक्ति को स्वदेश भेजने के आरोप में जांच शुरू कर दी है। प्रधानमंत्री ने मंगलवार को यह जानकारी दी। लीबियाई नागरिक ओसामा अल–मसरी को इटली के ट्यूरिन में तब गिरफ्तार किया था जहां वह फुटबॉल मैच देखने गया था। अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय ने 19 जनवरी को उसके

खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। अदालत की ओर से उसकी गिरफ्तारी की पुष्टि नहीं होने के बाद उसे 21 जनवरी को एक सरकारी विमान से स्वदेश भेज दिया गया था। मेलोनी ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा की वारंट तब जारी किया गया था जब वह तीन अन्य यूरोपीय देशों में करीब 12 दिन बिताने के बाद इटली पहुंचा था। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय गिरफ्तारी वारंट न्याय मंत्रालय को नहीं भेजा गया था जैसा कि कानून के अनुसार किया जाना चाहिए और इस कारण से रोम में अपीलीय अदालत ने गिरफ्तार नहीं करने का फैसला किया। आईसीसी की ओर से जारी वारंट में अल–मसरी पर 2015 से लीबिया के मितिगा जेल में युद्ध अपराध और मानवता के विरुद्ध अपराध करने का आरोप लगाया गया है, जिसके लिए आजीवन कारावास की सजा हो सकती है। आईसीसी ने कहा कि उस पर हत्या, यातना, बलात्कार और यौन हिंसा का आरोप है। उसने कहा कि वारंट 18 जनवरी को इटली समेत सदस्य देशों को भेज दिया गया था और अदालत ने यह भी बताया था कि वह यूरोप में प्रवेश कर चुका है।

चीन का डीपसीक अमेरिकी उद्योगों के लिए सजग होने की चेतावनी : ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि चीनी ऐप डीपसीक का अचानक उदय कृत्रिम मेधा (एआई) से जुड़ी अमेरिकी कंपनियों के लिए सजग होने की चेतावनी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इन अमेरिकी कंपनियों को जीतने के लिए प्रतिस्पर्धा पर ध्यान देने की जरूरत है। डीपसीक का कहना है कि उसका कृत्रिम मेधा मॉडल, ओपनएआई के चौटजीपीटी और गूगल के जेमिनी जैसे अमेरिकी दिग्गजों के मॉडल के बराबर हैं। साथ ही डीपसीक का एआई ऐप तुलनात्मक रूप से काफी किफायती है। ट्रंप ने यह भी कहा कि डीपसीक एक सकारात्मक विकास है, क्योंकि यह किफायती है। उन्होंने सोमवार को कहा, ''मैं चीन और चीन की कुछ कंपनियों के बारे में पढ़ रहा हूं, जिनमें से एक विशेष रूप से एआई की तेज और बहुत कम खर्चीली तकनीक लेकर आ रही है। यह अच्छा है, क्योंकि आपको ज्यादा पैसे खर्च करने की जरूरत नहीं है। मैं इसे एक सकारात्मक कदम के रूप में देखता हूं।'' उन्होंने कहा कि एक चीनी कंपनी के डीपसीक एआई बनाने की घटना अमेरिकी उद्योगों के लिए सजग होने की चेतावनी है,

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर. 9190052 39332

.919450482227

बांग्लादेश में यूनुस सरकार के खिलाफ रोष, इस्तीफे की मांग पर अवामी लीग की बड़े आंदोलन की तैयारी

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में अलपसंख्यक हिंदू समुदाय पर अत्याचार लगातार बढ़ते जा रहे है। इसी बीच बांग्लादेश की अपदस्थ पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय पर अत्याचार करने के लिए मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के इस्तीफे की मांग करते हुए बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शनों करने की घोषणा की है।

आवामी लील का पहला बड़ा प्रदर्शन

देखा जाए तो ये प्रदर्शन आवामी लीग पहला बड़ा प्रदर्शन होगा। हालांकि पार्टी के अधिकतर नेता पिछले साल 5 अगस्त को छात्रों के नेतृत्व वाले विरोध आंदोलन के बाद से या तो गिरफ्तार हो चुके हैं या अंडरग्राऊंड हैं। बता दें कि अवामी लीग ने अपने फेसबुक पेज पर एक बयान जारी किया है जिसमें बताया गया है कि वह 1 फरवरी से सड़कों पर

उतरकर हड़ताल और नाकाबंदी कार्यक्रमों के माध्यम से अंतरिम सरकार के इस्तीफे के लिए दबाव बनाएगी।

मांगों के लिए अभियान चलाएगी पार्टी

पार्टी द्वारा जारी बयान में बताया गया है कि पार्टी शनिवार से बुधवार तक पर्चे बांटेगी और अपनी मांगों के लिए अभियान चलाएगी। 6 फरवरी को देशभर में विरोध मार्च और रैलियां आयोजित की जाएंगी और 10 फरवरी को प्रदर्शन और रैलियां होंगी। इसके बाद 16 फरवरी को देशभर में नाकेबंदी की जाएगी और 18 फरवरी को पूरे दिन की सख्त हड़ताल होगी।

हसीने के खिलाफ आरोप वापस लेने की मांग

साथ ही पार्टी ने हसीना और अन्य नेताओं के खिलाफ हत्या और अन्य आरोपों को वापस लेने की भी मांग की है, जिन्हें हास्यास्पद मुकदमे करार दिया गया है। गौरतलब है कि पार्टी ने पहले 10 नवंबर को विरोध शुरू करने की योजना बनाई थी, लेकिन इसे लागू नहीं कर सकी। अवामी लीग 5 अगस्त के बाद से काफी हद तक निष्क्रिय रही है, जब शेख हसीना विद्रोह के बाद भारत भाग गईं थीं।

एक नजर यूनुस सरकार की असफलता पर

इन दिनों बांग्लादेश में उच्च पेंशन और अन्य लाभ दिए जाने की मांग को लेकर रेलवे कर्मचारी हड़ताल पर हैं। इसके चलते ट्रेनों का संचालन बंद हो गया। यात्री और मालगाड़ियों को रद्द कर दिया। हड़ताल के चलते हजारों यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। यात्री स्टेशनों पर बसों का इंतजार करते नजर आए। इसके साथ ही माल परिवहन भी प्रभावित हुआ।

सैदुर रहमान ने जताई नाराजगी

साथ ही मामले में बांग्लादेश रेलवे रनिंग स्टाफ और कर्मचारी यूनियन के कार्यवाहक अध्यक्ष सैदुर रहमान ने कहा था कि मांगो को लेकर सोमवार देर रात को मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के साथ बैठक हुई थी, लेकिन मांगों पर सहमति नहीं बन सकी। रहमान ने कहा कि जब तक सरकार हमारी मांगों को मान नहीं लेती है, तब तक हड़ताल जारी रहेगी।

पूर्व श्रीलंकाई राष्ट्रपति राजपक्षे के बेटे हेराफेरी मामले में दोषी करार, 2016 में हुई थी गिरफ्तारी

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे के बड़े बेटे को 2015 से पहले भारतीय निवेश से जुड़े हेराफेरीके मामले में हाईकोर्ट ने दोषी ठहराया। 38 वर्षीय नमल राजपक्षे को 2016 में गिरफ्तार किया गया था। उनपर रग्बी के खेल को विकसित करने के लिए कृष होटल परियोजना के पैसे से 70 मिलियन श्रीलंकाई रुपये का दुरुपयोग करने का आरोप लगा है। कोलंबो के मध्य में स्थि कृष होटल परियोजना को रद्द कर दिया गया और अधूरा निर्माण कार्य अभी भी वैस ही पड़ा हुआ है। राहगीरों के लिए खतरे को देखते हुए एक अन्य अदालत में इसकी असुरक्षित स्थिति को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं।

अनुरा कुमार दिसानायके के राष्ट्रपति बनने के बाद मुद्दे को उठाया गया

अनुरा कुमार दिसानायके के राष्ट्रपति पद संभालने के बाद इस मामले को एक बार फिर उठाया गया, जिसके बाद पुलिस ने एकबार फिर नमल राजपक्षे से पूछताछ की। इसके एक हफ्ते बाद उनके छोटे भाई योशिथा को इसी तरह के संदिग्ध संपत्ति मामले को लेकर गिरफ्तार किया गया था, लेकिन सोमवार को उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया। नमल राजपक्षे को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के बारे में मालूम चला। इस पोस्ट में कहा गया, यह स्पष्ट है कि वर्तमान सरकार ने

राजपक्षे परिवार के खिलाफ राजनीतिक साजिश शुरू कर दी है।

महिंदा राजपक्षे को करना पड़ा सरकार के गुस्से का सामना

महिंदा राजपक्षे को हाल ही में सरकार के गुस्से का सामना करना पड़ा था, क्योंकि वे सरकारी वास खाली करने में विफल रहे थे। सरकार ने पूर्व राष्ट्रपति पर करदाताओं के खर्च पर लाभ उठाने का आरोप लगाया। उन्होंने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा में भारी कटौती करने की सरकार की कार्रवाई को पलटने के लिए पहले ही सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर दी है। विपक्ष का कहना है कि पूर्व राष्ट्रपति संवैधानिक तौर पर सेवानिवृत्ति लाभ के हकदार हैं।

संघीय कर्मचारियों की छंटनी की तैयारी, कर्मियों को आठ महीने का वेतन लेकर नौकरी छोड़ने का विकल्प दिया गया

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में संघीय कर्मचारियों की छंटनी की तैयारी है। ट्रंप प्रशासन ने संघीय कर्मचारियों को आठ महीने का वेतन देकर नौकरी छोड़ने का विकल्प दिया है। ट्रंप प्रशासन ने मंगलवार को एलान किया कि जो कर्मचारी अगले सप्ताह तक नौकरी छोड़ने का विकल्प चुनेंगे, उनको ही यह लाभ मिलेगा। अमेरिकी सरकार की मानव संसाधन एजेंसी ने निर्देश जारी करते हुए कहा कि सभी संघीय कर्मचारियों को उपयुक्तता और आचरण के बेहतर मानकों के अधीन किया जाएगा। एजेंसी ने भविष्य में छंटनी की भी चेतावनी दी है। एजेंसी की ओर से लाखों कर्मचारियों को भेजे गए ईमेल में कहा गया है कि जो लोग स्वेच्छा से अपने पद छोड़ेंगे, उन्हें लगभग आठ महीने का वेतन मिलेगा। मगर उन्हें छह फरवरी तक ऐसा करने का विकल्प चुनना होगा। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क की अध्यक्षता वाले सरकारी दक्षता विभाग के सलाहकार बोर्ड में शामिल केटी मिलर ने एक्स पर लिखा कि ईमेल दो मिलियन से अधिक संघीय कर्मचारियों को भेजा गया है। ईमेल में अमेरिका के कार्मिक प्रबंधन मंत्रालय (ओपीएम) ने चार निर्देश दिए हैं। मंत्रालय का कहा है कि ट्रंप संघीय कार्यबल को आगे बढ़ने के लिए अनिवार्य कर रहे हैं। इसमें यह भी शामिल है कि अधिकांश कर्मचारी पूर्णकालिक रूप से अपने कार्यालयों में लौट आएं। ईमेल में कहा गया कि कोविड के बाद से दूर से काम कर रहे संघीय कर्मचारियों में से अधिकांश को सप्ताह में पांच दिन अपने कार्यालय से काम करना होगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने भी पिछले सप्ताह कहा था कि संघीय कर्मचारियों को अपने कार्यालय जाना होगा और काम करना होगा। अन्यथा आपके पास नौकरी नहीं होगी। ईमेल में लिखा है कि हर कर्मचारी की उत्कृष्टता पर जोर दिया जाएगा। ट्रंप प्रशासन के तहत सरकार के कार्यबल के कुछ हिस्सों में वृद्धि हो सकती है। इसके चलते अधिकांश संघीय एजेंसियों का आकार कम होने की संभावना है। ईमेल में यह भी कहा गया है कि संघीय कार्यबल में ऐसे कर्मचारी शामिल होने चाहिए जो विश्वसनीय, वफादार, भरोसेमंद हों और जो अपने दैनिक कार्य में उत्कृष्टता के लिए प्रयास करते हों। निर्देश में यह भी कहा गया है कि जैसे–जैसे हम आगे बढ़ेंगे, कर्मचारियों के लिए उपयुक्तता और आचरण के मानकों में वृद्धि की जाएगी। इसके अलावा संघीय कर्मचारियों को अपने पद छोड़ने के लिए एक त्यागपत्र शामिल है। इसमें कहा गया है कि यदि आप इन निर्देशों के तहत इस्तीफा देते हैं, तो आपके दैनिक कार्यभार की परवाह किए बिना आपको सभी वेतन और लाभ मिलते रहेंगे। 30 सितंबर तक आपको सभी व्यक्तिगत कार्य आवश्यकताओं से छूट दी जाएगी।

द.कोरिया के हवाई अड्डे पर यात्री विमान में आग लगी, सभी 176 लोग सुरक्षित निकाले गए

दक्षिण कोरिया के एक हवाई अड्डे पर मंगलवार देर रात उड़ान भरने से पहले एक यात्री विमान में आग लग गई। विमान में सवार सभी 176 लोग सुरक्षित बाहर निकाल लिए गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। दक्षिण कोरिया के परिवहन मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि विमान गिम्हे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से हांगकांग के लिए उड़ान भरने की तैयारी कर रहा था। इसी दौरान एयर बुसान के एयरबस विमान में आग लग गई। मंत्रालय के अनुसार, विमान में सवार 169 यात्री, चालक दल के छह सदस्यऔर एक इंजीनियर को आपातकालीन फिसलपट्टी (इस्केप स्लाइड) की मदद से सुरक्षित निकाल लिया गया। अग्निशमन एजेंसी ने कहा कि घटनास्थल पर अग्निशमन और दमकल गाड़ियों को तैनात करने के लगभग एक घंटे बाद रात 11रू31 बजे आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया गया। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। परिवहन मंत्रालय के अनुसार, विमान ए321 मॉडल का था। एक महीने पहले ही जेजू एयर की एक यात्री उड़ान मुआन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। इस हादसे में 181 लोगों में से, सिर्फ दो को छोड़कर बाकी सभी की मौत हो गई थी। यह घटना दक्षिण कोरिया के इतिहास की सबसे घातक विमान दुर्घटनाओं में से एक थी। 29 दिसंबर को घटित इस दुर्घटना में बोइंग 737–800 विमान हवाई अड्डे के रनवे से फिसलकर एक कंक्रीट संरचना से टकरा गया और उसमें आग लग गयी थी। यह उड़ान बैंकॉक से लौट रही थी। दुर्घटना में मारे गए लोग दक्षिण कोरियाई नागरिक थे, केवल दो यात्री थाईलैंड के थे। इस हादसे की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट सोमवार को जारी की गई, जिसमें विमान के इंजन में पक्षियों के टकराने (बर्ड स्ट्राइक) के निशान मिलने की पुष्टि हुई है। हालांकि, दुर्घटना के सटीक कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है।

अमेरिकी न्यायाधीश ने संघीय अनुदान रोकने के ट्रंप प्रशासन के फैसले पर अस्थायी रोक लगाई

अमेरिका के एक संघीय न्यायाधीश ने संघीय अनुदान और ऋण रोकने के अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के फैसले पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी है। अमेरिकी जिला न्यायाधीश लोरेन एल. अलीखान ने प्रशासन के इस फैसले के प्रभावी होने से कुछ ही मिनट पहले मंगलवार दोपहर को इस पर रोक लगा दी। ट्रंप प्रशासन के इस फैसले पर सोमवार दोपहर तक रोक लगाई गई है। अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' ने संघीय व्यय की समग्र वैचारिक समीक्षा शुरू करते हुए यह रोक लगाने की योजना बनाई है। इस योजना के कारण वे संगठन चिंतित हो गए हैं जो वित्तीय रूप से संघीय अनुदानों एवं ऋण पर निर्भर हैं। संघीय न्यायाधीश के इस फैसले से करदाताओं के पैसे पर नियंत्रण को लेकर संवैधानिक टकराव का मंच तैयार हो गया हैं प्रशासन के अधिकारियों ने कहा कि ऋण और अनुदान को रोकने का निर्णय यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है कि खर्च ट्रंप के हालिया कार्यकारी आदेशों के अनुरूप हो। ये अनुदान एवं ऋण स्थानीय सरकारों, विद्यालयों और गैर–लाभकारी संस्थाओं के लिए वित्तीय जीवनरेखा हैं। ट्रंप जीवाश्म ईंधन का उत्पादन बढ़ाना चाहते हैं, ट्रांसजेंडर लोगों के लिए सुरक्षा हटाना चाहते हैं तथा विविधता, समानता और समावेशन के प्रयासों को समाप्त करना चाहते हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो

शरद कुमार श्रीवास्तव

7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक

स्व.कन्हैया लाल

स्व.श्रीमती साधना

सम्पादक

उमेश चंद्र श्रीवास्तव

प्रबन्ध सम्पादक

अरविन्द पाण्डेय

संयुक्त सम्पादक

अनंत श्रीवास्तव

संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)

केशव श्रीवास्तव

विधि सलाहकार

कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक

उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.

यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।